mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-29 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
30 जनवरी 2025 गुरुवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

सर्वश्रेष्ठ महिला टी20...
@ पेज 7

महाकुंभ मेले में भगदड़ से 30 की मौत, 60 घायल

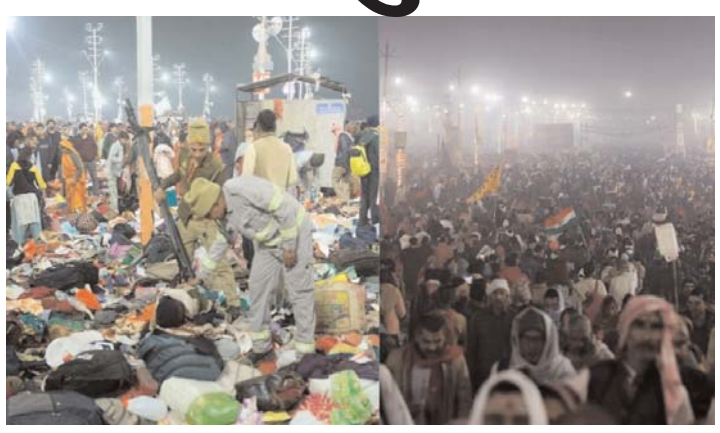

पीड़ित परिवारों को 25 लाख की मदद का ऐलान

बिहार (एजेंसी)। महाकुंभ मेले में बुधवार तड़के संगम नोज पर मची भगदड़ की वजह से अब तक तीस लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। हादसे पर बुधवार शाम मीडिया से बात करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि उपचार के बाद बहुत सारे लोग अपने परिजनों के साथ घर जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि बहुत ज्यादा प्रेशर प्रयागराज में होने के कारण मार्ग चोक थे। प्रशासन उन्हें खुलवाने में लगा रहा।

सीएम योगी ने बताया कि सरकार ने घटना के न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि जस्टिस हर्ष कुमार के नेतृत्व में तीन सदस्यीय न्यायिक जांच कमेटी इस मामले को देखेगी। कमेटी में जस्टिस हर्ष कुमार के अलावा पूर्व डीजी वीके गुप्ता और रिटायर्ड ङ्घस् वीके सिंह को शामिल किया गया है। सीएम योगी ने कहा कि पुलिस भी इस हादसे की जांच करेगी। सीएम योगी की तरफ से पीड़ित परिवारों को 25 लाख रुपये की मदद का ऐलान किया गया है।

इससे पहले महाकुंभ मेले के ष्ठढ्ढत्र वैभव कृष्ण ने बताया कि महाकुंभ में रात 1 से 2 बजे के बीच हुई भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। इनमें से 25 की पहचान की जा चुकी है। डीआइजी महाकुंभ वैभव कृष्ण ने बताया कि हादसे के बाद 90 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया।

महाकुंभ मेले में कैसे मची भगदड़? - डीआइजी कुंभ मेला वैभव कृष्ण ने बताया कि मौनी अमावस्या स्नान के समय ब्रह्म मुहूर्त से पहले रात 1 से 2 बजे के बीच अखाड़े के रास्ते पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिसकी वजह से दूसरी तरफ के बैरिकेड टूट गए। इस तरफ की भीड़ दूसरी तरफ चली गई और ब्रह्म मुहूर्त का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं को कुचलने लगीज प्रशासन ने तुरंत बचाव अभियान चलाया और एंबुलेंस के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया और 90 घायलों को अस्पताल पहुंचाया। दुर्भाग्य से, उनमें से 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि इनमें से 25 की पहचान हो चुकी है, जबकि पांच की पहचान होनी बाकी है। इनमें से कुछ दूसरे राज्यों से भी हैंज चार कर्नाटक से, एक असम से, एक गुजरात सेज कुछ घायल श्रद्धालुओं को उनके रिश्तेदार ले गए हैं। 36 घायलों का स्थानीय मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर 1920 जारी किया है।

संक्षिप्त समाचार

साउथ सूडान में चार्टेड प्लेन क्रैश, 20 लोगों की मौत

जूबा (एजेंसी)। साउथ सूडान के यूनिटी स्टेट में बुधवार को एक प्लेन क्रैश कर गया जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई। ष्टहृहृ की रिपोर्ट के मुताबिक यह छोटा प्लेन था जिस पर दो पायलट समेत 21 लोग सवार थे। इस प्लेन को चीन की तेल कंपनी ग्रेटर पायनियर ऑपरेटिंग कंपनी ने किराए पर ले रखा था।

यूनिटी राज्य की सूचना मंत्री गैटवेच बिपाल ने कहा कि हादसा स्थानीय समय के मुताबिक सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर हुआ। प्लेन राजधानी जुबा के लिए उड़ान भर रहा था। बिपाल ने कहा कि प्लेन में बैठे सभी लोग ग्रेटर पायनियर ऑपरेटिंग कंपनी के तेल कर्मचारी थे। बिपाल ने कहा कि मृतकों में दो चीन और एक भारत का नागरिक शामिल है।

बांग्लादेश में 6 से विरोध प्रदर्शन करेगी अवामी लीग

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने देश भर में विरोध प्रदर्शन, हड़ताल और नाकेबंदी का ऐलान किया है। अवामी लीग ने शेख हसीना के खिलाफ दर्ज मुकदमों और देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हो रहे उत्पीड़न के विरोध में ये घोषणा की है।

पार्टी ने मंगलवार देर रात अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन से जुड़े कार्यक्रमों की जानकारी दी। अवामी लीग ने चेतावनी दी कि अगर प्रशासन ने उनके कार्यक्रमों को रोकने की कोशिश की, तो और भी कड़े कदम उठाए जाएंगे। पिछले साल 5 अगस्त को शेख हसीना के तख्तापलट के बाद अवामी लीग देश में पहला बड़ा कार्यक्रम करने जा रही है। कार्रवाई के डर से अभी कई पार्टी नेता छुपे हुए हैं।

बांग्लादेश ने भारत पर नशीली दवाओं की तस्करी का आरोप लगाया: इस बीच बांग्लादेश में गृह मालमों के सलाहकार मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने बुधवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान भारत के साथ किए गए सभी %असमान समझौतों% पर चर्चा की जाएगी। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश और भारत के सीमा सुरक्षा बल के प्रमुखों के बीच बातचीत होने वाली है।

दिल्ली के घाट पहुंच हरियाणा सीएम ने पिया यमुना का पानी, सीएम आतिशी ने दिया था साथ चलने का चैलेंज

दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के घाट पहुंच हरियाणा ष्टरूने पिया यमुना का पानी, ष्टरू आतिशी ने दिया था साथ चलने का चैलेंज हरियाणा और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों के बीच सोशल मीडिया पर पानी को लेकर वाक्युद्ध छिड़ा हुआ है. अरविंद केजरीवाल के बयान के बाद यह मुद्दा और गर्म हो गया है. सीएम आतिशी ने हरियाणा के सीएम सैनी को पल्ला घाट चलने का निमंत्रण दिया था, लेकिन हरियाणा सीएम अकेले ही पहुंचे और यहां यमुना का पानी भी पिया।

विधानसभा चुनाव के बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और दिल्ली सीएम आतिशी के बीच सोशल मीडिया पर मानो वाकयुद्ध छिड़ गया है. मामला पानी का है और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के %जहर% वाले बयान के बाद राजनीतिक पारा गर्म है. सीएम आतिशी ने एक्स पर सीएम सैनी को टैग करते हुए पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने पल्ला घाट साथ चलने को कहा था. हालांकि, सीएम सैनी अकेले ही पल्ला गांव पहुंचे और यहां यमुना के पानी से कुल्ली किया और यमुना का पानी पिया भी. इसका वीडियो भी सामने आया है।

हिजाब और बुर्का अपने घर पर पहनें',
महाराष्ट्र के मंत्री ने बोर्ड एग्जाम सेंटर्स पर इसे बैन करने की उठाई मांग

महाराष्ट्र (एजेंसी)। महाराष्ट्र में बोर्ड एग्जाम की शुरुआत 11 फरवरी 2025 से हो जाएगी। 10वीं के बोर्ड एग्जाम 21 फरवरी से शुरू होंगे तो वहीं 12वीं की परीक्षा 11 फरवरी से स्टार्ट होंगी। बोर्ड एग्जाम में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए प्रशासन अभी से तैयारियों में जुट गया है। इस बीच महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितेश राणे ने शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे को एक खत लिखकर ये मांग कर डाली है कि आगामी बोर्ड एग्जाम में छात्राओं को बुर्का पहनकर परीक्षा देने से रोका जाए।

क्या कहा है नितेश राणे ने?

नितेश राणे ने अपने खत में यह अनुरोध किया है कि 10वीं-12वीं की आगामी बोर्ड परीक्षाओं में सेंटर पर किसी भी छात्रा को बुर्का पहनकर आने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इससे परीक्षा में गड़बड़ी की संभावना बढ़ सकती है। नितेश राणे ने कहा है कि स्कूलों में हिंदुओं के लिए जब सामान नियम हैं तो वह नियम मुस्लिम छात्राओं के लिए भी होने चाहिए। राणे ने आगे कहा कि अगर उन्हें बुर्का पहनना है तो अपने घर पर अपने मोहल्ले में पहनें, परीक्षा केंद्रों पर उन्हें आम छात्र की तरह आना चाहिए।

बुर्के की आड़ में हो सकती है नकल: नितेश राणे ने कहा है कि बुर्के और हिजाब पर पाबंदी इसलिए लगनी चाहिए क्योंकि इसकी आड़ में छात्राएं नकल के अंजाम दे सकती हैं। इससे पहले कई बार ऐसे मामले आए हैं जहां बुर्के की आड़ में परीक्षा में गड़बड़ी को अंजाम दिया गया है। इसके अलावा बुर्के की वजह से चेकिंग में भी हंगामा हो जाता है, इसलिए मैंने शिक्षा मंत्री को खत लिखा है कि इस मामले में कठोर कदम उठाए जाएं।

महाकुंभ में तीन शंकराचार्यों ने किया अमृत स्नान

प्रयागराज (एजेंसी)। मौनी अमावस्या पर सबसे पहले तीन शंकराचार्यों ने अमृत स्नान किया। इसके बाद साधु-संतों ने छोटे-छोटे ग्रुप में अपने इष्टदेव के साथ सांकेतिक रूप से संगम स्नान किया।

जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज रथ पर निकले। नागा साधुओं ने तलवार लहराईं। जयकारे लगाते हुए संगम घाट पहुंचे। निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि महाराज ने संगम में डुबकी लगाई। हेलिकॉप्टर से संतों और श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई।

इससे पहले बुधवार तड़के अखाड़ों के साधु-संत अमृत स्नान के लिए निकले थे। इस बीच, भगदड़ के बाद संगम पर हालात बेकाबू हो गए।

गन्ना किसानों को मोदी सरकार का तोहफा, नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन को केंद्रीय कैबिनेट की हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए शनिवार 01 फरवरी को निर्मला सीतारमण बजट (Budget 2025) पेश करने वाली हैं। इससे पहले केंद्र की मोदी सरकार ने गन्ना किसानों के लिए एक बड़ा फैसला किया है और गन्ने से बनने वाले एथेनॉल की कीमत में इजाफे को स्वीकृति दी है। इसके अलावा केंद्रीय कैबिनेट ने नेशनल क्रिटिकल मिनिरल मिशन को भी मंजूरी दी है।

केंद्रीय रेल और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव (Ashwini Vaishnaw) ने फैसले को लेकर बताया कि कैबिनेट ने नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन के लिए 16300 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसक मिशन का मकसद देश में खनिज संपदा के सही इस्तेमाल के लिए ढांचा तैयार करना है।

गन्ना किसानों के लिए बड़ा फैसला

कैबिनेट मंत्री अशविनी वैष्णव सरकार के फैसले की जानकारी देते हुए बताया है कि सबसे बड़ा फैसला एथेनॉल ब्लेंडिंग से जुड़ा हुआ है। पेट्रोल में मिलाए जाने वाले एथेनॉल को जहां पहले सरकारी कंपनियां 56.58 रुपये प्रति लीटर में खरीदती थीं, अब कंपनियां यही एथेनॉल 57.97 प्रति लीटर में खरीदेंगी। ऐसे में एथेनॉल की कीमत में 3 फीसदी का इजाफा किया जाएगा, इसका लाभ किसानों तक पहुंचाया जाएगा।

मोदी ने भरे मंच पर बीजेपी कैंडिडेट के तीन बार छुए पैर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए सियासी दलों का प्रचार अभियान जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों के लिए जमकर प्रचार कर रहे हैं। पीएम मोदी ने करतार नगर विधानसभा सीट पर एक चुनावी रैली की। इस दौरान उन्होंने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी पर हमला बोला। इस रैली के दौरान एक ऐसा भी नजारा सामने आया जब पीएम मोदी ने बीजेपी उम्मीदवार के एक नहीं बल्कि तीन बार पैर छुए। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पटपड़गंज विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी ने रविंद्र सिंह नेगी को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। करतार नगर की संकल्प रैली में नेगी भी मौजूद थे। जब मंच पर उनका नाम अनाउंस किया गया तो उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उनके पैर छुए। इसके तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविंद्र नेगी के एक नहीं बल्कि तीन बार पैर छुए। इस दौरान मंच पर मौजूद भारतीय जनता पार्टी के अन्य कैंडिडेट भी काफी अहसज हो गए।

बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसएफ की बहादुर महिला कांस्टेबल ने तस्करों को खदेड़ा, अकेली 6 पर पड़ी भारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के मालदा सेक्टर के अंतर्गत 88वीं वाहिनी अराधपुर की सीमा चौकी कुटाडाह में तैनात एक बहादुर महिला कांस्टेबल ने पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तस्करों के नापाक इरादों को नाकाम कर दिया. महिला कांस्टेबल की तत्परता और त्वरित कार्रवाई ने 5-6 संदिग्ध बांग्लादेशी तस्करों को भागने पर मजबूर कर दिया, जो सीमा पर लगी तारबंदी को नुकसान पहुंचाकर भारत में घुसने की कोशिश कर रहे थे.

दरअसल, 29 जनवरी, 2025 को तड़के, महिला कांस्टेबल रात्रि की दूसरी शिफ्ट की ड्यूटी पर तैनात थी. तभी उसने बांग्लादेश की तरफ से 5-6 संदिग्ध तस्करों को धारदार हथियारों के साथ तारबंदी की ओर बढ़ते हुए देखा. तस्करों के अवैध घुसपैठ के प्रयास को देखकर महिला कांस्टेबल ने तुरंत अपने साथियों को सतर्क किया और तस्करों को चेतावनी दी. लेकिन तस्कर समूह में बिना किसी डर के तारबंदी की ओर आक्रामक रूप से बढ़ते रहे।

महिला कांस्टेबल ने बिना किसी डर के तस्करों की तरफ दौड़ते हुए तस्करों को दूसरी बार चेतावनी दी. बावजूद इसके, तस्कर अपनी नापाक मंशा को अंजाम देने के लिए तारबंदी के पास पहुंचे और उसे क्षति पहुँचाने का प्रयास करने लगे. स्थिति की गंभीरता और उनकी मंशा को भांप, महिला कांस्टेबल ने अपने हथियार से एक राउंड फायर किया. महिला कांस्टेबल के दृढ़ इरादे और फायर की आवाज सुन कर तस्कर घबरा गए और अंधेरे व घने कोहरे का फायदा उठाते हुए भागने में कामयाब रहे।

यमुना का पानी प्रधानमंत्री भी पीता है: मोदी
केजरीवाल बोले- सैनी ने पानी पिया नहीं, थूक दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के यमुना में जहर वाले बयान पर राजनीति गरमा गई है। बुधवार सुबह दिल्ली में रैली के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हरियाणा का भेजा यही पानी दिल्ली में हमारे सारे जज, जस्टिस, सम्मानित सदस्य पीते हैं। आपका प्रधानमंत्री भी यही पानी पीता है। क्या कोई सोच सकता है कि मोदी को जहर देने के लिए हरियाणा ने जहर दिया होगा।

इसके बाद शाम को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने राज्य के बॉर्डर पर पहुंचकर यमुना नदी से पानी पीकर दिखाया। उन्होंने ङ्ग पर वीडियो शेयर कर कहा कि मैंने बेहिचक और बेझिझक पवित्र यमुना के जल का आचमन किया। आतिशी जी तो आई नहीं। कोई नया झूठ रच रही होंगी। झूठ के पांव नहीं होते। इसलिए आप-दा का झूठ चल नहीं पा रहा।

श्री सी.बी. चक्रवर्ती एम. ने संभाला आयुक्त नगरीय प्रशासन का दायित्व

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री सी.बी. चक्रवर्ती एम. ने मंगलवार को दोपहर बाद भोपाल के पालिका भवन स्थित संचालनालय में कार्यभार ग्रहण किया। श्री चक्रवर्ती ने अधिकारियों से चर्चा करते हुए विभाग की प्रमुख योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि केन्द्र और राज्य सरकार की विभाग से जुड़ी प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन में गति लाई जाये।

नगरीय प्रशासन की जिन प्रमुख योजनाओं में मध्यप्रदेश का स्थान अग्रणी है, उन योजनाओं पर लगातार ध्यान रखते हुए अन्य योजनाओं पर भी तेजी से काम किया जाये। श्री चक्रवर्ती ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के नए टूल्स का उपयोग करते हुए इसे और अधिक पब्लिक फ्रैंडली बनाया जाये। आयुक्त ने कहा कि मध्यप्रदेश की फायर पॉलिसी प्रदेश की सड़कों एवं अन्य पैरामीटर के अनुरूप हो, इस बात का भी ध्यान में रखा जाये। इस मौके पर उन्होंने विभागीय अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली।

ग्वालियर की कानून व्यवस्था और यातायात को चुस्त-दुरुस्त करने ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने दिए सुझाव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ग्वालियर जिले की कानून व्यवस्था के साथ ही यातायात व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए पुलिस बल तथा यातायात पुलिस बल में वृद्धि की जाए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि वर्तमान में शहर में बढ़ते यातायात दबाव के कारण जगह-जगह जाम की स्थिति निर्मित रहती है। इस समस्या से निजात पाने के लिए यातायात पुलिस कर्मियों में वृद्धि नितांत आवश्यक है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने ग्वालियर उप नगर के मोतीझील, आनंद नगर तथा कांच मिल क्षेत्रों में नवीन पुलिस चौकी की स्थापना किए जाने की बात भी कही। श्री तोमर ने यह बात पुलिस मुख्यालय की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (महिला अपराध) प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव की मौजूदगी में मंगलवार को ग्वालियर जोन के सभी जिलों में अपराध नियंत्रण की स्थिति की समीक्षा बैठक में कही।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव को शहर में अपराधों पर नियंत्रण के लिए अस्पतालों के नजदीक स्थाई पाइंट बनाने, रात्रि के समय सख्ती के साथ पूछताछ किए जाने का सुझाव देते हुए शहर के पार्कों तथा कोचिंग क्लासेस के आसपास कैमरे लगाए जाने के लिए कहा।

बैठक में सांसद भारत सिंह कुशवाह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुमार सिंह जाटव, पुलिस महानिरीक्षक श्री अरविन्द सक्सेना, जनप्रतिनिधिगण सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश में सीएम राइज योजना में 22 स्कूल भवनों का निर्माण पूर्णता की ओर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में स्कूली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिये जाने के उद्देश्य से नई शिक्षा नीति-2020 में रोचक एवं आनंददायक शिक्षा दिये जाने की अनुशंसा की गयी है। इस उद्देश्य से सीएम राइज योजना में 9200 विद्यालयों का चयन किया गया है। इन विद्यालयों को दो चरणों में सर्व-संसाधनयुक्त बनाया जा रहा है।

योजना के पहले चरण में 274 विद्यालयों में भवन निर्माण की स्वीकृति दी गयी है। इनमें से 22 स्कूल भवनों का निर्माण पूर्णता की ओर है। योजना के दूसरे चरण में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में 276 विद्यालयों को सर्व-संसाधन रूप में विकसित करने की स्वीकृति दी गयी है। इस पर तेजी से काम किया जा रहा है। इन विद्यालयों में कक्षा-केजी से कक्षा-12वीं तक पढ़ाई का संचालन किया जायेगा।

प्रदेश में संचालित हो रहे सीएम राइज स्कूलों में रतलाम के विनोबा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय संस्था टी-4 एजुकेशन द्वारा नवाचार श्रेणी में विश्व में प्रथम स्थान प्रदान किया गया है। सीएम राइज योजना का प्रथम सर्व-सुविधायुक्त विद्यालय भवन गुलाना जिला शाजापुर में बनाया गया है। सीएम राइज स्कूल में आसपास के क्षेत्र के बच्चों को स्कूल तक पहुँचने के लिये निःशुल्क परिवहन सेवा भी प्रारंभ की गयी है।

महिलाओं के स्वामित्व वाली एमएसएमई की संख्या में मप्र 36 में 20वें नंबर पर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र में उद्योगों को बढ़ावा देने की पहल जोर-शोर से चल रही है। हालांकि, केंद्र के डेटा के अनुसार, महिलाओं के स्वामित्व वाली एमएसएमई यूनिट के मामले में मप्र 36 राज्यों की सूची में मप्र 20वें स्थान पर है। हाल ही में मप्र में महिला स्वामित्व वाली एमएसएमई यूनिट केवल 38 प्रतिशत हैं। जुलाई 2020 में एमएसएमई यूनिट की परिभाषा संशोधित की गई थी। इसके बाद से केंद्र ने उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल और उद्यम असिस्ट पोर्टल का डेटा इकट्ठा किया है। इसके अनुसार, बीते चार सालों में मप्र में 13.49 लाख ऐसी एमएसएमई यूनिट रजिस्टर हुई हैं, जिनमें महिलाओं का मालिकाना हक है। हालांकि, प्रदेश में कुल एमएसएमई यूनिट का यह केवल 38 प्रतिशत है। फिक्की-कन्फेडरेशन ऑफ एमएसएमई के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप करंबेलकर ने कहा- उद्यम रजिस्ट्रेशन को लेकर अब भी जागरूकता की कमी है।

हमारी प्रतिबद्धता जनता के विश्वास के प्रति है: राज्यमंत्री गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि हमारी प्रतिबद्धता जनता के विश्वास के प्रति है। परमपिता परमेश्वर के आशीर्वाद और विधानसभा क्षेत्र की जनता का विश्वास ही है कि हम लगातार विकास कार्य कर रहे हैं। यह बात उन्होंने मंगलवार को वार्ड-63 में 1 करोड़ 19 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन के दौरान कहीं।

राज्यमंत्री गौर ने गुरुनानक पब्लिक स्कूल पिपलानी, भेल में साइंस पार्क के भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान कहा कि, विज्ञान पार्क बनने से बच्चों की साइंस क्षमता बढ़ेगी, बच्चों की जिज्ञासा शांत होगी और नई टेक्नोलाजी से समृद्ध होने का अवसर भी मिलेगा।

वार्ड-63 के चांदमारी झुग्गी बस्ती में 9 लाख 66 हजार की लागत से सड़क, आरसीसी नाली और पाइप कल्वर्ट निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। क्षेत्र की जनता से संवाद करते हुए पीने के पानी की सप्लाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। 50 क्वार्टर झुग्गी बस्ती में सीसी सड़क व आर सीसी नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया, जिसकी लागत 9 लाख 98 हजार रुपए है। 60 क्वार्टर व 100 क्वार्टर झुग्गी बस्ती, शिवनगर झुग्गी बस्ती पिपलानी में सीसी सड़क निर्माण कार्य क्रमशः 20 लाख और 21 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा।

इसी तरह शिवनगर में शासकीय स्कूल के पास सीसी सड़क का निर्माण 21 लाख 18 हजार रुपए की लागत से किया जाएगा।

शासकीय स्कूल ए-सेक्टर पिपलानी में पेवर ब्लॉक एवं शेड लगाने का कार्य 19 लाख 95 हजार की लागत से किया जाएगा। इस दौरान पार्षद शिवलाल मकोरिया, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र थोटे के साथ जनप्रतिनिधि व सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

अब तक 6 लाख 33 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं ने कराई ई-केवायसी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन की लाभकारी योजनाओं का फायदा लेने के लिए बिजली उपभोक्ताओं को ईकेवायसी कराना अनिवार्य है। उपभोक्ताओं से कहा गया है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपाय ऐप के जरिए भी ईकेवायसी करा सकते हैं। गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध उपाय ऐप डाउनलोड कर बिजली उपभोक्ता समग्र केवायसी में अपना उपभोक्ता क्रमांक एवं समग्र क्रमांक दर्ज करने के बाद लिंक मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी को दर्ज कर केवायसी प्रक्रिया को पूर्ण कर सकते हैं।

केवायसी प्रक्रिया के तहत अब तक 06 लाख 33 हजार 613 उपभोक्ताओं ने सफलतापूर्वक केवायसी करा ली है। कंपनी ने बताया है कि केवायसी प्रक्रिया के तहत नर्मदापुरम ग्रामीण में 71 हजार 654, बैतूल ग्रामीण में 88 हजार 176, राजगढ़ ग्रामीण में 43 हजार 929, शहर वृत्त भोपाल में 54 हजार 581, भोपाल ग्रामीण में 37 हजार 893, गुना ग्रामीण में 32 हजार 092, विदिशा ग्रामीण में 45 हजार 581, सीहोर ग्रामीण में 23 हजार 720, ग्वालियर ग्रामीण में 20 हजार 995, शहर वृत्त ग्वालियर में 41 हजार 993, अशोकनगर ग्रामीण में 20 हजार 615, दतिया ग्रामीण में 23 हजार 592, रायसेन ग्रामीण में 43 हजार 618, शिवपुरी ग्रामीण में 24 हजार 291, हरदा ग्रामीण में 19 हजार 939, श्योपुर ग्रामीण में 09 हजार 340, मुरैना ग्रामीण में 21 हजार 708 एवं भिण्ड ग्रामीण में 09 हजार 999 बिजली उपभोक्ताओं की केवायसी की गई है। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं के बिजली संबंधी व्यक्तिगत विवरण को कंपनी के रिकार्ड में अपडेट करने के लिए नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया शुरू की है। कंपनी द्वारा नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया के तहत बिजली उपभोक्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी जैसे समग्र आईडी, मोबाइल नंबर एवं बैंक खाता इत्यादि की जानकारी को अपडेट किया जा रहा है।

नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया से बिजली उपभोक्ताओं को जहां राज्य शासन की योजनाओं का लाभ सीधे लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना के माध्यम से सुनिश्चित किया जा सकेगा वहीं दूसरी ओर प्रणाली में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। साथ ही केवायसी से वास्तविक उपभोक्ताओं के विद्युत संयोजन एवं उनके भार की स्थिति का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित किया जा सकेगा, जिससे कंपनी कार्यक्षेत्र में विद्युत संरचनाओं के भविष्य में विस्तार की योजना बनाने में आसानी होगी।

शासकीय महाविद्यालय बोर्ड कॉलोनी भोपाल के 50 छात्र-छात्राओं ने नेचर कैम्प में लिया भाग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड के सहयोग से छात्र-छात्राओं का पक्षी अवलोकन एवं नेचर कैम्प आयोजित किया गया। नेचर कैम्प में शासकीय महाविद्यालय बोर्ड कॉलोनी भोपाल के 50 छात्र-छात्राओं और 3 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

नेचर कैम्प में वन, वन्य-प्राणियों के प्रति जागरूकता तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के लिये स्कूली छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया गया। विषय-विशेषज्ञों द्वारा छात्र-छात्राओं को पक्षी दर्शन, तितली, वन्य-प्राणी दर्शन, वानिकी गतिविधियाँ और पर्यावरण से संबंधित रोचक जानकारी दी गयी। कैम्प में बाघ, तेंदुआ, भालू, मगर, घड़ियाल, चीतल, सांभर और नीलगाय आदि वन्य-प्राणियों का अवलोकन कराया गया। इसके अलावा किंगफिशर, ओपन बिल स्टॉर्क, बुलीनेक स्टॉर्क, कॉर्मोरेंट, जकाना, कूट आदि पक्षी और कृत्रिम घोंसले, पक्षियों के पुतले भी दिखाये गये।

नेचर कैम्प में स्रोत व्यक्ति के रूप में भोपाल बर्ड्स के मोहम्मद खालिक एवं श्री विजय नंदवंशी द्वारा छात्र-छात्राओं को वन्य-प्राणियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।

मिशन लाइफ अंतर्गत पर्यावरण को बचाने के लिये कैम्प में शपथ भी दिलायी गयी। इस अवसर पर वन विहार के संचालक श्री मीना अवधेश कुमार शिव कुमार, सहायक संचालक श्री एस.के. सिन्हा एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोर्ट परिसर में लग रहे बाहरी वाहन, हो रही अवैध वसूली

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पार्किंग व्यवस्था संभाल रहा व्यक्ति पार्किंग के नाम पर अवैध वसूली कर रहा है। दरअसल, कोर्ट परिसर के अंदर पार्किंग व्यवस्था केवल न्यायाधीश, वकील और कर्मचारियों के लिए है। लेकिन, मंदिर वाले गेट की ओर से अवैध वसूली के लिए बाहर से आने वाले लोगों के वाहन भी परिसर के अंदर पार्क हो रहे हैं। इससे न्यायाधीश, वकील और कर्मचारियों को अपने वाहन खड़े करने में दिक्कत होती है।

यहां एक व्यक्ति सादे कपड़ों में खड़ा रहता है। वह बाहरी वाहनों को पार्किंग में खड़ा करवाता है। बाद में लोग जब अपने वाहन वापस लेने आते हैं, तो उनसे 10 रुपए की मांग की जाती है। जबकि यहां लगे बोर्ड में न्यायालीन कर्मचारियों के लिए पार्किंग स्थल लिखा है। इसके बावजूद बाहरी वाहन कोर्ट परिसर के अंदर आकर पार्क हो रहे हैं। साथ ही पैसों की मांग करने वाला व्यक्ति जिला अदालत का कर्मचारी नहीं है।

बाहरी लोगों के लिए बाहर नगर निगम की पार्किंग की व्यवस्था भोपाल जिला अदालत में बाहर से आने वाले लोगों के लिए मंदिर गेट के बाहर नगर निगम पार्किंग की व्यवस्था है। इसके अलावा लायर्स चैंबर के सामने भी नगर निगम पार्किंग की व्यवस्था है। इसके बाद भी लोग अपने वाहन लेकर कोर्ट परिसर में घुस रहे हैं।

भोपाल में गेहूं बेचने के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में सरकार को गेहूं बेचने के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। किसान 31 मार्च तक एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोकसेवा केंद्रों या सायबर कैफे पर जाकर पंजीयन करवा सकेंगे। बदले में 50 रुपए फीस देना होगी। किसान खुद के मोबाइल, कम्प्यूटर, ग्राम पंचायत कार्यालय स्थित सुविधा केंद्र या सहकारी समिति में भी रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। यहां उन्हें फीस नहीं देना पड़ेगी। किसान 31 मार्च तक रोज सुबह 7 से रात 9 बजे तक पंजीयन करवा सकते हैं। जिला आपूर्ति नियंत्रक मीना मालाकार ने बताया, सिकमी, बंटाईदार एवं वन पट्टाधारी किसानों के पंजीयन सहकारी समिति सहकारी विपणन सहकारी संस्था के केंद्रों पर किए जाएंगे।

23 हजार 326 उपभोक्ताओं की शिकायतों का हुआ संतोषजनक निराकरण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रत्येक सोमवार को उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के वितरण केंद्र अथवा जोन कार्यालय स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। इसमें उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिल में सुधार, गलत रीडिंग, आंकलित खपत अथवा अन्य किसी भी तरह की शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है।

कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने बताया कि सितंबर 2024 से जनवरी 2025 की अवधि में 23 हजार 326 उपभोक्ताओं की शिकायतों का स्थल पर ही संतोषजनक निराकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता कंपनी के वितरण केंद्र अथवा जोन कार्यालय स्तर पर प्रति सोमवार लगने वाले शिकायत निराकरण शिविर में पहुंचकर अपनी जो भी समस्याएं हैं, उन्हें अधिकारियों से आमने-सामने बैठकर बातचीत करके हल करवा सकते हैं।

प्रबंध संचालक ने कहा है कि बिल संबंधी शिकायतों को कंपनी के संपर्क केन्द्र के दूरभाष क्रमांक 1912 पर, उपाय ऐप, चैटवॉट अथवा कंपनी के पोर्टल के माध्यम से दर्ज कराना अनिवार्य किया गया है। साथ ही उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए जोन अथवा वितरण केन्द्र पर भी अधिकृत कर्मचारियों द्वारा शिकायतों को कॉल सेंटर पर दर्ज की जा रही है। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निगरानी रखने के कारण उपभोक्ताओं की शिकायतों का समय सीमा में त्वरित निराकरण किया जा रहा है। यही वजह है कि उपभोक्ताओं की शिकायतों में भी कमी आ रही है।

परीक्षार्थियों को तीन घंटे में 75 नंबर के 23 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं की परीक्षा में सामाजिक विज्ञान ऐसा विषय है जिसमें छात्र आसानी से स्कोर कर सकते हैं। परीक्षार्थियों को तीन घंटे में 75 नंबर के 23 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। पिछली बोर्ड परीक्षा में इस विषय का रिजल्ट 72.2 प्रतिशत रहा था। लेकिन, मेधावी विद्यार्थियों ने इसमें भी 90 से अधिक अंक प्राप्त किए थे। परीक्षा में छात्र कैसे अच्छा स्कोर करें और मेरिट होल्डर्स किस तरह से उत्तर लिखते हैं इस संबंध में कमला नेहरू स्कूल की सुनीता पांडेय ने बताया कि परीक्षा के लिए कम समय बचा है, लेकिन फिर भी कुछ बातों को ध्यान में रखकर अच्छे नंबर प्राप्त किए जा सकते हैं। मैप वर्क 4 नंबर का एक्सपर्ट ने बताया कि मैप वर्क चार नंबर का आता है।

अक्सर छात्र इसमें गलती कर बैठते हैं। अगर छात्रों को राज्यों और वहां की विशेषताओं की जानकारी होगी तो वे इसमें पूरे अंक मिल सकते हैं। इसी तरह पाठ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा, भारत में राष्ट्रवाद चैप्टर से भी हमेशा प्रश्न पूछे जाते हैं। अगर इन्हें ठीक से पढ़ लिया जाए तो इससे वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के अलावा प्रश्न पूछे जाते हैं। परिवहन से संबंधी प्रश्न भी परीक्षा में पूछे जाते हैं। इसी तरह कृषि और फसलों के प्रकार आदि से जुड़े प्रश्नों को भी परीक्षार्थी अच्छे से पढ़ लें। एक्सपर्ट्स के मुताबिक हिंदी में मुख्य रूप से निबंध और पत्र लेखन या आवेदनपत्र में छात्रों को शुद्ध हिंदी लिखने पर लगभग पूरे नंबर मिल जाते हैं। निबंध लेखन में मेधावी विद्यार्थियों ने निबंध को प्रस्तावना और उपसंहार के अलावा विभिन्न भागों में विभक्त कर लिखा है। मात्रा संबंध अशुद्धि नहीं की है और लेखन स्पष्ट और साफ है। गद्यांश में विशेषताएं प्वाइंटर के रूप में लिखी हैं। इसी के साथ व्याकरण आदि पर भी विशेष ध्यान दिया है।

संस्कृत में वचन और रूप सही.. इसी तरह टॉपर्स ने संस्कृत में वचन और रूप सही लिखे हैं। दो उत्तरों के बीच में लाइन खींचकर पर्याप्त स्पेस दिया है। प्राचार्य को अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र में व्याकरण संबंधी ध्यान रखा है। कालिदास के संबंध में उनकी रचनाएं, नाटक आदि का स्पष्ट उल्लेख किया है। शब्द सीमा का ध्यान रखा है। संघात्मक शासन व्यवस्था और एकात्मक शासन व्यवस्था को दो भागों में बांटकर बिंदुवार लिखा है। इससे दोनों में अंतर समझना आसान है। इसी तरह प्रथम विश्वयुद्ध से संबंधित प्रश्न, वैश्वीकरण को बढ़ावा देने वाले कारक में हाईलाइटर्स दिए गए हैं ताकि इन्हें पढ़ने में आसानी हो। इसी के साथ शब्द सीमा का ध्यान रखा। सही गलत, जोड़ी बनाओ, खाली स्थान और वैकल्पिक प्रश्नों में स्कोर किया।

स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में सीएमएचओ कार्यालय भोपाल का एक और अभिनव कदम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा नगर निगम भोपाल के सभी गार्बेज ट्रांसफर स्टेशंस एवं आदमपुर स्थित प्रोसेसिंग साइट में कार्यरत कर्मचारियों हेतु स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। क्षेत्रीय नागरिक भी इन शिविरों का लाभ ले सकते हैं। प्रत्येक गार्बेज स्टेशंस पर लगातार दो दिनों तक शिविर लगेंगे। भोपाल में नगर निगम के 15 गार्बेज स्टेशन हैं। पहली बार इन सभी जगहों पर स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा दी जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग भोपाल ने इसके पूर्व श्रमिक पीठों, रैन बसेरों, तंग बस्तियों, वृद्धाश्रमों में शिविर लगाए थे। जिनमें बड़ी संख्या में हितग्राही लाभान्वित हुए थे। शिविरों की शुरुआत 28 जनवरी को आदमपुर प्रोसेसिंग साइट से की गई है। 5 मार्च तक सभी 15 गार्बेज स्टेशन पर कार्य करने कर्मचारियों और स्थानीय रहवासियों को स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित किया जाएगा।

भोपाल महापौर मालती राय, अध्यक्ष नगर निगम श्री किशन सूर्यवंशी के मार्गदर्शन एवं आयुक्त नगर निगम श्री हरेंद्र नारायण के निर्देशन में सीएमएचओ कार्यालय भोपाल द्वारा आयोजित इन शिविरों में स्वास्थ्य परीक्षण, निःशुल्क जांच, दवा वितरण और असंचारी रोगों की स्क्रीनिंग, आभा आईडी, आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा दी जा रही है। शिविरों में मोबाइल आई हेल्थ यूनिट के माध्यम से नेत्र परीक्षण कर निःशुल्क चश्मे उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि भोपाल को स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए प्रत्येक स्तर पर नागरिकों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। भोपाल को देश की स्वच्छतम राजधानी बनाने में स्वच्छताकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। स्वयं अस्वच्छता के बीच में रहकर ये स्वच्छता दूत हमें रोगों से बचा रहे हैं। इनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना और इन्हें समुचित स्वास्थ्य सेवाएं देना हमारा नैतिक कर्तव्य है। नगर निगम के सहयोग से लगाए जा रहे इन शिविरों में वाहन चालक, हेल्पर, रेगपिकर एवं सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। स्थानीय रहवासियों और स्वच्छता कर्मियों के परिजनों को भी स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। दाना पानी ट्रांसफर स्टेशन, जाट खेड़ी, भदभदा ट्रांसफर स्टेशन, बाबा नगर शाहपुरा, कजलीखेड़ा, शाहजहानी ट्रांसफर स्टेशन,राजेंद्र नगर, बैरागढ़ ट्रांसफर स्टेशन, ईदगाह, गोविंदपुरा, आरिफ नगर, ट्रांसपोर्ट नगर, गोंडीपुरा, जिंसी, अन्ना नगर।

सोन नदी में डूबी 2 महिलाएं, एक की मौत

दूसरी को लोगों ने बचाया, मौनी अमावस्या पर स्नान करने गईं थीं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में मौनी अमावस्या बुधवार को सोन नदी के कोलदहा घाट पर नहाने गई दो महिलाओं में से एक की डूबने से मौत हो गई, जबकि दूसरी को स्थानीय लोगों ने बचा लिया।

मृतका की पहचान शिवानी रजक (23) के रूप में हुई है, जो ग्राम पंचायत पनवार सोनवर्षा की रहने वाली थी। वह अपने मायके आई थी और दोपहर के समय अपनी ननद रिया के साथ सोन नदी में स्नान करने गई थी। दोनों महिलाएं गहरे पानी में चली गईं, जहां वे नदी में पाए जाने वाले चोरबारूल (जलीय पौधे) में फंस गईं।

ननद रिया ने बताया कि पानी ज्यादा गहरा नहीं था, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे कोई नीचे की तरफ खींच रहा हो। इस दौरान दोनों बेहोश हो गईं। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से दोनों को तत्काल चुरहट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉ. ओमप्रकाश पिढिया ने सीपीआर देकर बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन वे नाकाम रहे। रिया का इलाज जारी है।

थाना प्रभारी चुरहट पुष्पेंद्र मिश्रा ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। हम जांच कर रहे हैं।

14 हजार बिजली बिल बकाएदारों पर एक्शन

13 करोड़ वसूली के लिए रोज 200 कनेक्शन काटे जा रहे

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले में बिजली बिल न चुकाने वालों पर विभाग ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। जिले में कुल 52 हजार 500 बिजली उपभोक्ताओं में से 14 हजार बिजली बिल बकाएदारों से विभाग 13 करोड़ रुपए की वसूली करेगा। कार्यपालन अभियंता हेमंत चौधरी के अनुसार, एक करोड़ से अधिक के 90 बड़े बकाएदार हैं। इसके अलावा, 50 लाख से एक करोड़ के बीच 3.50 करोड़ रुपए और 25 से 50 लाख के बीच एक करोड़ से अधिक की राशि बकाया है।

विभाग रोजाना 100 से 200 डिफाल्टर्स के कनेक्शन काट रहा है। पिछले एक महीने में ही शहरी क्षेत्र में 7,000 से अधिक कनेक्शन काटे जा चुके हैं। स्मार्ट मीटर की सुविधा से अब ऑफिस में बैठकर ही कनेक्शन काटे जा सकते हैं। विभाग पहले नोटिस देकर उपभोक्ताओं को सूचित कर रहा है और भुगतान न करने पर कुर्की की कार्रवाई भी की जाएगी।

आंकड़ों के अनुसार, शहरी क्षेत्र में 70-80% लोग बिजली बिल जमा करते हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह आंकड़ा मात्र 35-40% है। सिंगरौली शहर संभाग में 52 हजार 500 उपभोक्ताओं में से 12 हजार मोरवा इलाके में हैं और बचे हुए बैढ़न शहर में स्थित हैं।

ज्वेलरी दुकान से चोरी के 4 आरोपी गिरफ्तार

दो फरार, 1.75 करोड़ रुपए कीमत के 2.2 किलो सोने के गहने बरामद

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर पुलिस ने लवकुशनगर क्षेत्र में हुई ज्वेलरी शॉप की चोरी का खुलासा किया है। पुलिस ने हमीरपुर जिले के राठ क्षेत्र से 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब 1.75 करोड़ रुपए कीमत के सोने के गहने बरामद किए हैं।

एसपी अगम जैन के मुताबिक चंद्रोदय सोनी की शिकायत पर लवकुशनगर थाने में मामला दर्ज किया गया था। जांच में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों का पता लगाया। साइबर सेल और लोकल इंटेलिजेंस की मदद से पुलिस को हमीरपुर के राठ इलाके में आरोपियों के होने की जानकारी मिली।

पुलिस ने राठ से शिवपाल राजपूत (50), सागर सोनी (34), हिमांशु उर्फ आकाश सोनी (32) और सुनील उर्फ सोनू सोनी (38) को गिरफ्तार किया। आरोपियों से करीब 2.2 किलो सोने के गहने बरामद किए गए हैं, जिनमें हार, जंजीर, चूड़ी और मंगलसूत्र शामिल हैं। इन गहनों की कीमत लगभग 1.75 करोड़ रुपए आंकी गई है।

दो मुख्य आरोपी फरार: पुलिस के मुताबिक चोरी के मुख्य आरोपी लल्ला राजपूत और उमेश राजपूत अभी फरार हैं। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही फरार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हत्या के आरोपी को उम्रकैद, 10 महीने पहले भैंस चरा रहे ग्रामीण को गोली मारी थी

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले में मवेशी चराने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की हत्या के मामले में बुधवार को कोर्ट ने फैसला सुनाया है। द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने आरोपी रानू उर्फ राहुल बाजपेई को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही 50 हजार का जुर्माना लगाया है।

ये है पूरा मामला: घटना 31 मार्च 2023 की सुबह करीब 8:30 बजे की है। भरत यादव अपनी भैंस को सुरही हार में चरा रहे थे, जब हरदुआ निवासी रानू बाजपेई से उनका विवाद हो गया। मामूली कहासुनी ने बड़ा रूप ले लिया और रानू ने अपने घर की छत से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस गोलीबारी में भरत यादव के पिता पूरन यादव की मौत हो गई और 6 अन्य लोग घायल हो गए।

घायलों में भरत यादव के दोनों पैरों में गोली लगी, जबकि जितेन्द्र (पिता लाखन), जितेन्द्र (पिता भूरी), प्रताप यादव, राघवेन्द्र यादव और संजीत यादव को गोली के छर्रे लगे। सभी घायलों को जिला अस्पताल पन्ना ले जाया गया, जहां रास्ते में पूरन यादव ने दम तोड़ दिया।

न्यायाधीश सुरेंद्र मेश्राम ने सभी गवाहों और सबूतों की समीक्षा के बाद यह फैसला सुनाया। मामले में जिला लोक अभियोजन अधिकारी संदीप कुमार पाण्डेय और वरिष्ठ सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी दिनेश खरे ने शासन की ओर से पैरवी की। अभियोजन पक्ष ने साक्ष्य पेश कर आरोपी के खिलाफ अपराध को संदेह से परे साबित किया।

सूने घर से जेवरात और पैसे ले गए चोर

परिवार मेले में चाट-फुल्की की दुकान लगाने गया था

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के ब्यौहारी के वार्ड नंबर 2 रामचरण गुप्ता का परिवार जब मेले में चाट-फुल्की की दुकान लगाने गया था, तब चोरों ने उनके घर को निशाना बनाया।

बुधवार सुबह जब परिवार घर लौटा, तो उन्होंने दरवाजे का ताला टूटा मिला। घर में प्रवेश करने पर देखा कि सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने अलमारी से मंगलसूत्र, पायल, बिछिया, मनचली, सोने का लॉकेट और हाथ का चूड़ा चुरा लिया। इसके अलावा अलमारी में रखे 8 हजार रुपए ले गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

ब्यौहारी थाना प्रभारी अरुण पांडेय ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है और स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही चोरी का खुलासा किया जाएगा।

गोशाला में भ्रष्टाचार के खिलाफ बजरंग दल का प्रदर्शन

गोवंश को छोड़ने आने वाले किसानों से वसूली की जा रही

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना में विद्यासागर गौ संवर्धन और संरक्षण समिति की पवई गोशाला में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने मोहंद्रा तिराहे पर दो घंटे तक चक्का जाम कर दिया, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।

दोपहर 12 बजे जगदीश स्वामी मंदिर परिसर में एकजुट हुए सैकड़ों कार्यकर्ता 1 बजे बस स्टैंड और मिलौनीगंज होते हुए नारेबाजी करते मोहंद्रा तिराहे पहुंचे। प्रदर्शन के कारण मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। एसडीएम समीक्षा जैन के आने पर भी प्रदर्शनकारियों ने ज्ञापन देने से मना कर दिया।

दोपहर तीन बजे अपर कलेक्टर सतीश नागवंशी के पहुंचने पर प्रदर्शनकारियों ने 12 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

अपर कलेक्टर ने बताया कि कलेक्टर ने तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की है, जो 15 दिनों में पारदर्शी जांच पूरी करेगी।

बजरंग दल के जिला सहमंत्री ऋषि नगायच के अनुसार, गोशाला संचालक समिति गायों की देखभाल में लापरवाही बरत रही है और गोवंश को छोड़ने आने वाले किसानों से अवैध वसूली की जा रही है। जांच और कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद प्रदर्शनकारियों ने धरना समाप्त कर दिया है।

शहडोल में दो अलग-अलग सड़क हादसे

एक युवक की मौत, तीन गंभीर घायल, बाइक पेड़ से टकराई, कार ने मारी टक्कर

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले में दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। केशवाही चौकी के सकरा गांव में पहली दुर्घटना हुई, जहां प्रेमलाल चौधरी (45) की बाइक सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गई। प्रेमलाल मामा के घर से एक गमी के कार्यक्रम में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। दुर्घटना में उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

दूसरी दुर्घटना ब्यौहारी थाना क्षेत्र के वन विहार के पास हुई। रीवा से शहडोल की ओर आ रही तेज रफ्तार कार ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार दो महिलाएं और चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को सूचित किया। घायलों को सिविल अस्पताल ब्यौहारी में भर्ती कराया गया है।

केशवाही चौकी प्रभारी आशीष झारिया के अनुसार, पहली दुर्घटना में प्रेमलाल अकेले बाइक पर सवार थे और मामले में मर्ग कायम किया गया है। दोनों दुर्घटनाएं तेज रफ्तार के कारण हुईं, जो सड़क सुरक्षा के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है।

घर से 300 मीटर दूर मिला नाबालिग का शव

मुंह से निकल रहा था झाग, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के केशवाही चौकी क्षेत्र के जमुनिया गांव में मंगलवार शाम से लापता 16 वर्षीय किशोर आदित्य कुशवाहा का शव बुधवार को उसके घर से 300 मीटर दूर खेत में मिला। शव की स्थिति को देखते हुए परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने बताया कि आदित्य कुशवाहा के मुंह से झाग निकल रहा था, जो मामले को और भी संदिग्ध बना रहा है। घटना स्थल पर मौजूद परिजनों और ग्रामीणों ने फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) की टीम को बुलाने की मांग की। चौकी प्रभारी आशीष झारिया ने वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की सूचना देते हुए एफएसएल टीम को बुलाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है और शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। मृत्यु का सटीक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा।

पॉलिथीन में मिला नवजात का शव

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। बुधवार शाम को किशोर सागर तालाब में एक नवजात शिशु का शव पॉलिथीन में मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर शाम 6 बजे सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची।

सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद कुजूर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जिला अस्पताल से शव वाहन को बुलाया। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि शव को जिस पॉलिथीन में रखा गया था, वह अस्पताल की है।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव: पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम गुरुवार सुबह किया जाएगा, जिससे मृत्यु के कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शिशु के माता-पिता की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

जवाहर नवोदय विद्यालय 9वीं एवं 11वीं प्रवेश परीक्षा 8 को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रभारी प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट ने जानकारी देकर बताया है कि जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट के कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा का आयोजन जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट एवं सीधी में 08 फरवरी को होगा। परीक्षा केन्द्र पर रिपोर्टिंग का समय 10.30 बजे है। अभ्यर्थी प्रवेश पत्र वेबसाइट से डाउनलोड एवं प्रिंट कर के परीक्षा में उपस्थित हों किसी तरह के सुधार हेतु 03 फरवरी तक जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में सम्पर्क कर सकते हैं।

उन्होने बताया कि कक्षा 9वीं की परीक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में 480 विद्यार्थी जो कि अनुक्रमांक 202422 से 202829 तक, सीधी क्रमांक 01 में 600 विद्यार्थी 202830 से 203429 तक एवं सीधी क्रमांक 02 में 396 विद्यार्थी 203430 से 203825 तक तथा कक्षा 11वीं की परीक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में 154 विद्यार्थी 137554 से 137707 तक विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मैं संजय कुमार भार्गव तनय विजय राज भार्गव निवासी बरौं तहसील सेमरिया हाल निवास निराला नगर रीवा तहसील हुजूर जिला रीवा म0प्र0 की निवासी हूँ। मेरे द्वारा अपनी पत्नी प्रभा भार्गव के नाम से आराजी क्र0 126/4/7 रकबा 0.014 हे0 पूरा यानी साइज 30×50=1500 वर्गफिट स्थित नगर निगम वार्ड क0 9 मौजा अनंतपुर पटवारी हल्का अनंतपुर तह0 हुजूर नगर जिला रीवा म0प्र0 को दिनांक 13-05-2022 को जरिए ई विकय पत्र क0 MP328492022A1500818 को कय किया था मेरे द्वारा रजिष्ट्री दिनांक 13-05-2022 को उपपंजीयक कार्यालय रीवा मे मूल लिंक विकय पत्र दिनांक 19-03-2014 ग्रन्थ क0 8735 फोलियो 5 पेज 91 से 95 सीरियन क0 11729 एवं मूल ऋण पुस्तिका विक्रेता श्रीमती अर्चना सिंह पति बृजेन्द्र सिंह निवासी वार्ड नं0 9 अनंतपुर रीवा तह0 हुजूर नगर जिला रीवा म0प्र0 से प्राप्त कर ली थी । उक्त मूल विकय पत्र एवं ऋण पुस्तिका दिनांक 27-01-2025 को समय लगभग 12 बजे दोपहर मैं अपने घर निराला नगर से जनता कालेज के पास फोटो काफी कराने गया उसी बीच मेरी उक्त मूल लिंक विक्रय पत्र व ऋण पुस्तिका कही गुम गयी जो काफी तलाश करने के बाद अभी तक नहीं मिली। मैं भारतीय स्टेट बैंक शाखा सिटी रीवा से हाउस लोन प्राप्त करना चाहती है यदि किसी वित्तीय शाखा / बैंक या किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अपना आपत्ति प्रमाण पत्र सहित 15 दिवस के अन्दर भारतीय स्टेट बैंक शाखा सिटी में दर्ज करा सकता है इसके बाद कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

भवदीय
संजय भार्गव पिता विजयराज
भार्गव निवासी बरौं तहसील सेमरिया
हाल निवास निराला नगर रीवा तहसील
हुजूर जिला रीवा म0प्र0

युवक के दस्तावेज पर दूसरे को बेच दी सिम

अनूपपुर में सामने आया फर्जीवाड़ा, दो आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर की साइबर सेल और कोतवाली पुलिस ने फर्जी तरीके से सिम कार्ड जारी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

दरअसल, 21 मार्च को कांसा गांव के हीरालाल ने पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान से शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि पवन सोनी नाम का व्यक्ति गांव में मोबाइल की चलित दुकान लगाकर नए सिम कार्ड और पोर्टिंग का काम करता था। हीरालाल ने अपना सिम जिओ में पोर्ट कराई थी, लेकिन जब वह एयरटेल की नई सिम लेने गए

तो पता चला कि उनके नाम पर पहले से ही एक एयरटेल सिम जारी है, जबकि हीरालाल ने कभी एयरटेल की सिम खरीदा ही नहीं थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी सिम विक्रेता और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया।

कोतवाली थाने में सिम विक्रेता (मोबाइल सिम प्रमोटर) पवन सोनी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। जांच में पता चला कि सिम विक्रेता पवन सोनी ने अमलई के हिमांशु प्रजापति को सिम बेच दी थी। इसके बाद पुलिस ने पवन सोनी और हिमांशु प्रजापति को गिरफ्तार किया।

श्रमोदय आवासीय विद्यालय में आवेदन की अंतिम तिथि 31

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। श्रम पदाधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि प्रदेश के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के पुत्र-पुत्रियों को श्रमोदय आवासीय विद्यालय भोपाल, इंदौर, ग्वालियर एवं जबलपुर में शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु कक्षा 06वीं, 7वीं, 8वीं एवं 9वीं में प्रवेश हेतु इच्छुक विद्यार्थियों से 10 जनवरी से 31 जनवरी तक ऑनलाईन पोर्टल ूएउचेवेण्दपबण्पद के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रवेश परीक्षा 09 फरवरी को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित की जायेगी। परीक्षा के प्रवेश पत्र म.प्र. राज्य मुक्त शिक्षा बोर्ड के पोर्टल से डाउनलोड किए जा सकेंगे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 256/न.पा.नि./राजस्व/2024-25 रीवा, दिनांक 21/01/2025

अचल सम्पत्ति नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व नगर सुधार न्यास रीवा की व्यवसायिक योजना क्रमांक-7 यातायात नगर रीवा जो नगर पालिक निगम रीवा के स्वामित्व में है, में स्थित भूखण्ड क्रमांक ws/84C क्षेत्रफल 384.64 वर्गमीटर श्री रमाशंकर श्रीवास्तव पिता स्व0 श्री ज्वाला प्रसाद श्रीवास्तव को 30 वर्षीय लीज पर आवंटित है, इनकी मृत्यु पश्चात, इस भूखण्ड का नामान्तरण श्रीश चन्द्र श्रीवास्तव पिता स्व0 श्री रामशंकर श्रीवास्तव निवासी बजरंग नगर रीवा (म0प्र0) के नाम किये जाने हेतु दिनांक 30.09.2024 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखण्ड क्रमांक ws/84C के नामान्तरण में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात् कोई आवेदन / आपत्ति न तो ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी। तत्पश्चात् आवेदक के आवेदन अनुसार उक्त भूखण्ड क्र0 ws/84C का नामान्तरण श्रीश चन्द्र श्रीवास्तव पिता स्व0 श्री रामशंकर श्रीवास्तव निवासी बजरंग नगर रीवा (म0प्र0) के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व)
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

संपादकीय

दिल्ली में इस बार जनता के लिए घोषणापत्र नहीं, लॉटरी पेश कर रहे हैं राजनीतिक दल

इस समय दिल्ली में सेल चल रही है। वैसे अक्सर सेल में 50 प्रतिशत या उससे भी ज्यादा की छूट दी जाती है लेकिन दिल्ली में चुनावी मौसम में चल रही सेल में 100 प्रतिशत की छूट है। यानि सब कुछ मुफ्त। सब कुछ मुफ्त देने से सरकारी खजाने को कितना नुकसान होगा इसकी परवाह किसी को नहीं है क्योंकि हर पार्टी विधानसभा में अपनी सीटें किसी भी कीमत पर बढ़ाने का प्रयास कर रही है। सब कुछ मुफ्त देने से दिल्ली में महंगाई का आलम क्या होगा यह सोचे बिना राजनीतिक दल गारंटियों पर गारंटियों की घोषणा किये जा रहे हैं। सब कुछ मुफ्त देने से लोगों का सशक्तिकरण होने की बजाय उनके निठल्ले बनने की संभावनाएं ज्यादा हैं लेकिन फिर भी सब कुछ फ्री देने की होड़ में राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे से आगे निकली जा रही हैं। दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय देश में सबसे ज्यादा है उसके बावजूद यहां के लोगों को फ्री में सुविधाएं हासिल करने की आदत लगा दी गयी है। सरकारी खजाने को लूटो और लुटाओ की नीति के चलते दिल्ली का राजस्व नुकसान हुआ, भ्रष्टाचार के अवसर बढ़े, दिल्ली का बजट घाटा बढ़ा लेकिन किसी को कोई परवाह नहीं है इसीलिए यह पहली बार देखने को मिल रहा है कि दिल्ली की सत्ता पाने को आतुर पार्टियां एक दो नहीं बल्कि अपने आधा आधा दर्जन घोषणापत्र जारी कर रही हैं। पहले चुनावों में किसी राजनीतिक दल का घोषणापत्र उसकी नीतियों, कार्यक्रमों और समस्याओं से निजात दिलाने की रूपरेखा प्रस्तुत करता था लेकिन आज पार्टियों का घोषणापत्र उनकी सत्ता लोलुपता को प्रदर्शित कर रहा है। देखा जाये तो यह घोषणापत्र नहीं बल्कि लॉटरी पेश करने जैसा है। दिल्ली में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी की ही बात कर लें तो बिजली और पानी फ्री देने की राजनीति शुरू करने वाली इस पार्टी ने पैकेज के रूप में बिजली और पानी के साथ मौत भी फ्री ही रखी है क्योंकि इस पार्टी के राज में प्रदूषण की गंभीर स्थिति के चलते हर उम्र के लोगों को तमाम तरह की बीमारियां हो गयी हैं। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में जन लोकपाल लाने का वादा किया था लेकिन भ्रष्टाचार के नये रिकॉर्ड बना दिये, आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में शिक्षा क्रांति लाने का ढोल पीटा जबकि असल में एक बोतल पर दूसरी बोतल फ्री देकर दारू क्रांति लाई गयी। आम आदमी पार्टी ने सादगी और शुचिता की बात की थी लेकिन उसके नेता शीश महल में रहे और सुरक्षा का बड़ा अमला तथा अन्य सुख सुविधाओं को भोगते रहे। अब ''केजरीवाल की गारंटी'' शीर्षक से पार्टी का जो घोषणापत्र जारी किया गया है वह भी खजाने को लुटाने का छलावा दिखा कर मतदाताओं के मत लूटने का प्रयास लगता है। हम आपको बता दें कि आम आदमी पार्टी के घोषणापत्र में 15 गारंटी का जिक्र है, जिसमें केजरीवाल ने अपनी पहली गारंटी के रूप में दिल्ली के निवासियों के लिए रोजगार सृजन के ''ठोस'' कदम का वादा किया है। बहरहाल, देखा जाये तो मुफ्त सुविधाएं केवल अल्पकालिक राहत प्रदान करती हैं। जबकि लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल सिखाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। साथ ही मतदाताओं को इन लाभों की कीमत के बारे में पता होना चाहिए जो अंततः जनता की जेब से ही आती है। यहां तक कि निर्धनतम व्यक्ति भी अप्रत्यक्ष रूप से टैक्स दे रहा है।

गांवों की खुशहाली मापने के लिए बनाएं नए मानदंड

उमेश चतुर्वेदी

दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाले अपने देश की पहचान उसके गांव रहे हैं। देश सिर्फ ग्रामीण संस्कृति और कृषि व्यवस्था के लिए ही नहीं, सहकार और शिल्पकारी के लिए भी वैश्विक पहचान रखते रहे हैं। सोने की चिड़िया कहे जाने वाले दौर में भी भारतीय कृषि और आर्थिकी के आधार गांव ही रहे। यह बात और है कि अंग्रेजी शासन के दौरान से भारतीय गांवों का पतन शुरू हुआ। इसके बाद भारतीय गांव गरीबी और मजबूरी के पर्याय माने जाने लगे। लेकिन घरेलू उपयोग और खर्च के ताजा सर्वेक्षण की रिपोर्ट बता रही है कि गांवों की आर्थिक तस्वीर बदलने लगी है।

भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से घरेलू उपयोग और खर्च के लिए कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार शहरी और ग्रामीण इलाकों में घरेलू खर्च का जो पहले अंतर रहता था, वह लगातार घटता चला गया है। अगस्त 2023 से जुलाई 2024 के दौरान किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक, ग्रामीण और शहरी भारत में प्रति व्यक्ति औसत मासिक खर्च 4,122 रुपये और 6,996 रुपये हो गया है। जबकि पहले यानी 2022 से 2023 के बीच यह खर्च क्रमशः 3,773 रुपये और 6,459 रुपये थाय् यानी शहरी और ग्रामीण भारत की प्रति व्यक्ति खर्च दर में बड़ा अंतर था। मोटे तौर पर यह आंकड़ा बता रहा है कि हाल के दिनों में ग्रामीण इलाकों में आर्थिक समृद्धि पहले की तुलना में बढ़ी और उस लिहाज से खर्च भी बढ़ा है।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की 68 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, जबकि 32 प्रतिशत आबादी शहरों में है। स्वाधीन भारत में विशेषकर उदारीकरण के बाद जिस तरह का विकास मॉडल हमने अपनाया, उसमें शहरी विकास पर सबसे ज्यादा फोकस रहा, ग्रामीण विकास या तो रस्मी रहा या फिर उस पर फोकस शहरों की तुलना में कम रहा। शहरों की ओर रोजगार और जीवन सुविधाएं केंद्रित होती चली गईं। शिक्षा के भी बेहतर अवसर गांवों की तुलना में शहरों की ओर बढ़ते गए। इस लिहाज से ग्रामीण क्षेत्रों से सबसे ज्यादा पलायन रोजगार और शिक्षा के लिए हुआ। फिर जिन परिवारों के पास सहूलियतें बढ़ीं, उन परिवारों ने अपनी हैसियत और बजट के लिहाज से मुफीद पाए जाने वाले शहरों की ओर रहने के लिए रूख किया। यही वजह है कि शहरी और ग्रामीण आबादी का जो अनुपात आबादी के समय था, वह आज बदल चुका है। आजादी के वक्त तकरीबन 80 फीसद से ज्यादा लोग गांवों में रहते थे, अनुमान है कि वह घटते-घटते अब साठ और पैंसठ फीसद के बीच आ गई है। रिकॉर्ड पर ग्रामीण आबादी का इतना बड़ा हिस्सा भले ही गांवों में बसता हो, लेकिन हकीकत यह है कि इसमें एक बड़ा हिस्सा शहरों में रोजी-रोटी और शिक्षा के लिए कभी शौकिया तो कभी मजबूरीवश रहने को मजबूर है। इसलिए रिकॉर्ड की तुलना में वास्तविक ग्रामीण आबादी अब और भी कम हो चुकी है।

घरेलू खर्च के इस नए आंकड़े को देखते वक्त हमें इस संदर्भ पर भी ध्यान देना होगा। बहरहाल हमें यह भी ध्यान देना होगा कि ग्रामीण इलाकों में खाद्यान्न विशेषकर गेहूं और चावल पर खर्च में निजी या पारिवारिक खर्च में कमी आई है। इसकी वजह यह है कि सरकार की ओर से तमाम तरह की योजनाएं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रम चल रहे हैं। मुफ्त खाद्यान्न योजना समेत कई अन्य सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के जरिये मुफ्त में मिल रही चीजों की कीमतों को ध्यान में रखें तो घरेलू खर्च के ये आंकड़े ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए क्रमशः 4,247 रुपये और 7,078 रुपये हो जाते हैं। मौजूदा कीमतों के संदर्भ में देखें तो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति खर्च पर औसत आठ और नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। साल 2011-12 में शहरी और खपत खर्च के बीच 84 प्रतिशत का अंतर था, जो 2022-23 में घटकर 71 प्रतिशत हो गया। जो अब 70 फीसद ही रह गया है। इन आंकड़ों से ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खुशहाली की तसवीर सामने आती है। दिलचस्प यह है कि इस आंकड़े में खाने-पीने के अलावा की चीजों पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च 60 और 53 प्रतिशत रहा। इसका मतलब साफ है कि अब ग्रामीण इलाकों में भी वाहन, कपड़े, बिस्तर, जूते, मनोरंजन एवं टिकाऊ आदि सामानों पर खर्च बढ़ा है। इससे साफ है कि उपभोक्तावाद ने ग्रामीण इलाकों पर भी जोरदार दस्तक दी है। वैसे ऑनलाइन स्टोर से गांवों में खरीददारी बढ़ी है और उनके डिलीवरी एजेंटों की बाइकें अब ग्रामीण इलाकों का भी खूब चक्कर लगा रही हैं।

पिछले साल मई में रिजर्व बैंक ने भी ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खपत खर्च को लेकर ऐसे ही आंकड़े जारी किए थे। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने उम्मीद जताई थी कि भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी रहेगी और देश की जीडीपी दर मे 7.3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो सकती है। लेकिन रिजर्व बैंक ने इसी रिपोर्ट में ग्रामीण इलाकों में बढ़ते कर्ज को लेकर भी रिपोर्ट जारी की थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट में भी कर्ज को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसके मुताबिक, कर्ज लेने में ग्रामीण क्षेत्रों के लोग कहीं ज्यादा आगे हैं। गांवों में प्रति एक लाख लोगों में 18,714 लोग ऐसे हैं, जिन्होंने कोई न कोई कर्ज ले रखा है, जबकि शहरों में यह आंकड़ा 17,442 प्रति लाख ही है। साफ है कि उपभोक्तावाद ग्रामीण संस्कृति को बदलने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। कर्ज कभी गांवों के लोगों के लिए सिरदर्द होते थे, इसलिए वहां बचत केंद्रित आर्थिकी पर जोर था। लेकिन अब इसमें गिरावट आई है। इसका मतलब साफ है कि गांवों में खर्च भले ही बढ़ रहा है, लेकिन यह भी सच है कि गांवों की तसवीर अभी कम से कम वैसी नहीं हो पाई है, जिस स्तर पर शहरी तसवीर है।

गांवों का समृद्ध होना जरूरी है। हाल के दिनों में जनसंख्या को बढ़ाने और न बढ़ाने को लेकर सियासी तौर पर अपने-अपने तर्क दिए जा रहे हैं। इन तर्कों के अपने आधार हो सकते हैं। लेकिन इससे शायद ही कोई इनकार करेगा कि भारत के शहरों की सांस अगर फूल रही है तो इसकी बड़ी वजह उनकी ओर बेतहाशा हो रहा पलायन और उस बड़ी जनसंख्या के लिए इस्तेमाल हो रहे उपभोक्ता वस्तुओं का बड़ा योगदान है। भारत में आबादी बढ़ाने की जगह आबादी के समन्वित और संतुलित वितरण की जरूरत ज्यादा है। ग्रामीण इलाकों में आबादी को रोकने की कोशिश होनी चाहिए। ग्रामीण आबादी को बुनियादी शिक्षा और रोजगार गांवों या उसके आसपास ही उपलब्ध कराने की नीतियों पर आगे बढ़ना चाहिए। अगर ऐसा होगा तो निश्चित तौर पर आबादी को संतुलित किया जा सकेगा। तब गांव आबादी विहीन नहीं होंगे और शहरों पर आबादी का असंतुलित बोझ नहीं बढ़ेगा।

गांवों में हो रही खपत और खर्च को लेकर आ रहे आंकड़ों का पहला असर यही होना चाहिए कि गांवों में आबादी रूके। लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। ग्रामीण इलाके में बढ़ते खर्च से अव्वल तो गांवों में रोजगार के साधन बढ़ने चाहिए। लेकिन इस दिशा में ठोस बदलाव होते नजर नहीं आ रहे।

बेशक आज आजादी के बाद के दौर की तरह के बदहाल गांव नहीं हैं। बेशक शहरों जितना उसे बिजली नहीं मिलती, लेकिन पहले की तुलना में अब गांवों को भी बिजली ज्यादा मिल रही है। गांवों में भी उपभोक्ता वस्तुएं पहुंची हैं। इससे बेशक पारंपरिक संस्कृति चोट भले ही पहुंची हो। यह भी सच है कि ग्रामीण विकास और दूसरी कल्याण योजनाओं के जरिए गांवों में केंद्रीय और राज्य सरकारों की ओर से पैसा जा रहा है। लेकिन यह भी सच है कि उस पैसे का एक बड़ा हिस्सा जमीनी स्तर पर खर्च होने की बजाय नौकरशाही और राजनीतिक रिश्वत के रूप में शहरी इलाकों में ही रूक रहा है और वहीं निवेशित हो रहा है। इस लिहाज से देखें तो ग्रामीण इलाके में जैसी समृद्धि दिखनी चाहिए, कम से कम जमीनी स्तर पर वैसी समृद्धि नहीं है। गांवों का जैसा रूप होना चाहिए, वैसा नहीं है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट से मिल सकती हैं कई सौगातें

प्रह्लाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली छमाही (अप्रेल-सितम्बर 2024) में भारत की आर्थिक विकास दर कुछ कमजोर रही है। प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2024) में तो सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी। इसी प्रकार द्वितीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2024) में भी सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम छमाही में आर्थिक विकास दर के कम होने के कारणों में मुख्य रूप से देश में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव है और आचार संहिता के लागू होने के चलते केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों एवं अन्य खर्चों में भारी भरकम कमी दृष्टिगोचर हुई है। साथ ही, देश में मानसून की स्थिति भी ठीक नहीं रही है।

केंद्र सरकार ने हालांकि मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाने में सफलता तो अर्जित कर ली है परंतु उच्च स्तर पर बनी रही मुद्रा स्फीति के कारण कुल मिलाकर आम नागरिकों, विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों, की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभात जरूर पड़ा है और कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवारों की श्रेणी में जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। किसी भी देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की जितनी अधिक संख्या रहती है, उस देश की आर्थिक विकास दर ऊंचे स्तर पर बनी रहती है क्योंकि मध्यमवर्गीय परिवार ही विभिन्न प्रकार के उत्पादों (दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन, फ्रिज, एयर कंडीशनर जैसे उत्पादों एवं नए फ्लेट्स एवं भवनों आदि) को खरीदने पर अपनी आय के अधिकतम भाग का उपयोग करता है। इससे आर्थिक चक्र में तीव्रता आती है और इन उत्पादों की बाजार में मांग के बढ़ने के चलते इनके उत्पादन को विभिन्न कम्पनियों द्वारा बढ़ाया जाता है, इससे इन कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में वृद्धि होती है एवं देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं।

भारत में पिछले कुछ समय से मध्यमवर्गीय परिवारों की व्यय करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है अतः दिनांक 1 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्र सरकार के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए विशेष रूप से आय कर में छूट की घोषणा करेंगी। देश के कई अर्थशास्त्रियों का तो यह भी कहना है कि न केवल आय कर में बल्कि कारपोरेट कर में भी कमी की घोषणा की जानी चाहिए। इनफोसिस के संस्थापक सदस्यों में शामिल श्री मोहनदास पई का तो कहना है कि 15 लाख से अधिक की आय पर लागू 30 प्रतिशत की आय कर की दर को अब 18 लाख से अधिक की आय पर लागू करना चाहिए। आय कर मुक्त आय की सीमा को वर्तमान में लागू 7.75 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर देना चाहिए। आयकर की धारा 80सी के अंतर्गत किए जाने निवेश की सीमा को भी 1.50 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर देना चाहिए। मकान निर्माण हेतु लिए गए ऋण पर अदा किए जाने वाले ब्याज पर

प्रदान की जाने वाली आयकर छूट की सीमा को 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 3 लाख रुपए किया जाना चाहिए।

फरवरी 2025 माह में ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मोनेटरी पोलिसी की घोषणा भी होने जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे रेपो दर में कम से कम 25 अथवा 50 आधार बिंदुओं की कमी तो अवश्य करेंगे। क्योंकि, पिछले लगातार लगभग 24 माह तक रेपो दर में कोई भी परिवर्तन नहीं करने के चलते मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा मकान निर्माण एवं चार पहिया वाहन आदि खरीदने हेतु बैकों से लिए गए ऋण की किश्त की राशि का बोझ बहुत अधिक बढ़ गया है। बैकों से लिए गए इस प्रकार के ऋणों एवं माइक्रो फाइनैन्स की किश्तों की अदायगी में चूक की घटनाएं भी बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। अब मुद्रा स्फीति की दर खाद्य पदार्थों (फलों एवं सब्जियों आदि) के कुछ महंगे होने के चलते ही उच्च स्तर पर आ जाती है जबकि कोर मुद्रा स्फीति की दर तो अब नियंत्रण में आ चुकी है। खाद्य पदार्थों की मंहगाई को ब्याज दरों को उच्च स्तर पर बनाए रखकर कम नहीं किया जा सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक को अब इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव के चलते देश में पूंजीगत खर्चों में कमी दिखाई दी है। इसीलिए अब लगातार यह मांग की जा रही है कि देश में वन नेशन वन इलेक्शन कानून को शीघ्र ही लागू किया जाना चाहिए क्योंकि बार बार देश में चुनाव होने से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा आचार संहिता के लागू होने के चलते अपने बजटीय खर्चों को रोक दिया जाता है जिससे देश का आर्थिक विकास प्रभावित होता है। अतः वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लोक सभा में पेश किए जाने वाले बजट में पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर गम्भीरता दिखाई जाएगी। हालांकि वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में 7.50 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था, वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में 10 लाख करोड़ रुपए एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था। अब वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कम से कम 15 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किये जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे देश में धीमी पड़ रही आर्थिक गतिविधियों को तेज करने में सहायता मिलेगी और रोजगार के करोड़ों नए अवसर भी निर्मित होंगे, जिसकी वर्तमान समय में देश को अत्यधिक आवश्यकता भी है।

सेंट्रल जेल में अफ्रीकन ड्रग्स डीलर ने की आत्महत्या

गमछे से फांसी पर झूला, खाने की खराब व्यवस्था का विरोध कर रहे थे कैदी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर सेंट्रल जेल में एक अफ्रीकन कैदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसने पहले गमछे की रस्सी बनाकर सेल की रॉड में फंसाया, फिर फंदे से झूल गया। बताया जा रहा है कि, जेल के अंदर खाने की खराब व्यवस्था को लेकर अफ्रीकन मूल के कैदी लगातार विरोध कर रहे थे। आशंका है कि यही इसकी वजह है। मामला गंज थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक कैदी का नाम पैट्रिक यूबीके बावको था। उसे पुलिस ने 30 अक्टूबर 2020 को एक ड्रग्स केस में जेल भेजा था। पैट्रिक पर आरोप था कि, नाइजीरियन गैंग से मुंबई के रास्ते ड्रग्स लाकर वह रायपुर में सप्लाई करवाता था।

जिसके बाद रायपुर की कोतवाली पुलिस ने आरोपी को एनडीपीएस मामले में अरेस्ट किया था। पैट्रिक का मूल निवास लागोस नाइजीरिया है। लेकिन वह मुंबई में रह रहा था। वहीं से ड्रग्स की सप्लाई चैन ऑपरेट करता था।

पहरेदारों को फंदे पर लटका दिखा अफ्रीकन: सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मंगलवार की दोपहर जेल के पहरेदार जब सेल के रूटीन चेक पर निकले। तो पैट्रिक अपने ही सेल पर फांसी के फंदे पर लटकता दिखा। जिसके बाद आनन फानन में जेल के अफसरों को सूचना दी गई। जेलकर्मी उसे उतारकर एम्बुलेंस की मदद से मेकाहारा अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसके मौत की पुष्टि कर दी।

लाश का होगा पोस्टमॉर्टम: पुलिस ने मृतक के परिजनों से संपर्क किया है। जिसके बाद पैट्रिक के परिजन भारत के लिए रवाना हो चुके हैं। पोस्टमॉर्टम के बाद लाश उन्हें सौंपा जाएगा। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से अफ्रीकी मूल के कैदी जेल के भीतर खाने की व्यवस्था को लेकर लगातार विरोध कर रहे थे।

लेकिन जेल प्रशासन समस्या दूर नहीं कर रहा था। आशंका है कि, इस वजह से परेशान होकर पैट्रिक में आत्महत्या कर ली होगी। हालांकि यह जांच का विषय है।

जेल के भीतर गैंगवार से लेकर हत्या की कोशिश तक: इससे पहले, रायपुर सेंट्रल जेल के भीतर कई ऐसी घटनाएं हो चुकी है। जिससे सुरक्षा को लेकर लगातार सवाल उठते रहते हैं। सितंबर 2024 में एक विचाराधीन कैदी आसिफ खान और सजा काट रहे कैदी सैयद के बीच किसी बात पर विवाद हुआ था। जो बाद में गैंगवार में बदल गया।

एक दूसरे पर नुकीली चीजों से हमला किया गया। जिसमें कुछ कैदी अस्पताल में भर्ती हुए थे। इसके अलावा जेल के भीतर चेकिंग में कई बार नशीली-प्रतिबंधित सामग्री पकड़ती है। लेकिन स्थिति जस की तस है। ऐसे कई वीडियो भी सामने आए हैं। जिसमें जेल के पहरेदार गंभीर मामले के आरोपियों को पेशी के बहाने बाहर ले जाकर होटलों में ऐश करवाते हैं।

बता दें कि, सेंट्रल जेल के बाहर नवंबर 2024 में फायरिंग की भी घटना हुई थी। जिसमें एक युवक बुरी तरह घायल हुआ था। इस मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया था।

कुछ भी बोलने से बच रहा जेल प्रशासन: फिलहाल कैदी की आत्महत्या मामले में जेल प्रशासन के अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। अभी तक उनका कोई बयान सामने नहीं आया है।

बलौदाबाजार हिंसा के 14 आरोपियों को जमानत

हाईकोर्ट ने दी राहत, इन पर 43 मामले दर्ज, कलेक्ट्रेट में हुई थी तोड़फोड़-आगजनी

मीडिया ऑडीटर, बलोदा बाजार (एजेंसी)। बलौदाबाजार जिले में पिछले साल जून में हुई हिंसा मामले में हाईकोर्ट ने 14 आरोपियों को जमानत दे दी है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट द्वारा नारायण मिरी को दी गई जमानत के आधार पर लिया गया।

10 जून 2024 की घटना में उग्र प्रदर्शनकारियों ने जिला कार्यालय और एसपी कार्यालय में जमकर तोड़फोड़ और आगजनी की थी। इस हिंसक घटना में सरकारी संपत्तियों को 12.53 करोड़ रुपए का भारी नुकसान पहुंचा था।

187 लोगों हुए थे गिरफ्तार: प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 43 मामलों में 187 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से 43 आरोपियों को जमानत मिल गई है। मामले में पहले निचली अदालत ने आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट से एक आरोपी नारायण मिरी को जमानत मिली।

आरोपियों ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा: इसी आधार पर अन्य आरोपियों के वकीलों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को न्यायिक दृष्टांत बताते हुए अपने मुवक्किलों की रिहाई की मांग की, जिसे हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया।

रिहाई की मांग पूरी हुई: हिंसा में विभिन्न समुदायों और संगठनों के प्रदर्शनकारी शामिल थे। गिरफ्तारी के बाद से ही आरोपियों के परिजन और वकील लगातार उनकी रिहाई की मांग कर रहे थे, जो अब जाकर पूरी हुई है।

अब आगे क्या: याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता हर्षवर्धन परगनिया ने इस फैसले की पुष्टि की है। अब अन्य आरोपियों की ओर से भी जमानत के लिए अदालत में अर्जी दाखिल करने की संभावना है। पुलिस और प्रशासन इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रहे हैं।

शहीदों की स्मृति में 30 जनवरी को जिले में रखा जाएगा दो मिनट का मौन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान देने वाले वीर शहीदों की स्मृति में प्रतिवर्ष 30 जनवरी को शहीद दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर जिले भर में पूर्वान्ह 11:00 बजे दो मिनट का मौन रखा जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट ने इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) एवं भारत सरकार के गृह मंत्रालय के स्थायी निर्देशों के तहत 30 जनवरी को 11:00 बजे जिले की समस्त गतिविधियाँ को रोककर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। जहाँ संभव हो मौन की शुरुआत और समाप्ति की सूचना सायरन या आर्मी गन से दी जाएगी। सायरन 10:59 बजे से 11:00 बजे तक तथा पुनः 11:02 बजे से 11:03 बजे तक बजेगा।

रायपुर, दुर्ग-भिलाई, बिलासपुर में आईटी रेड

सत्यम बालाजी राइस मिल ग्रुप के कमीशन एजेंट्स के घर-दफ्तर में कार्रवाई, 100 से अधिक अफसर कर रहे जांच

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में आयकर विभाग ने छापा मारा है। आयकर विभागों की टीमों ने रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग-भिलाई के कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश दी है। रायपुर में सत्यम बालाजी राइस मिल ग्रुप से जुड़े कई कमीशन एजेंट्स के दफ्तर और घर पर रेड पड़ी है। आज (बुधवार) सुबह छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के नंबर प्लेट वाली वाइट और सिल्वर गाड़ियों से अधिकारी पहुंचे हैं। दस्तावेजों की जांच चल रही है।

रायपुर के राजीव नगर स्थित घर, जवाहर मार्केट स्थित ऑफिस, राठौर चौक स्थित गोदाम, कमीशन एजेंट्स के ऑफिस और रिंगरोड स्थित जगुआर शोरूम समेत भनपुरी स्थित राइस मिल पर कार्रवाई चल रही है। 100 से अधिक अफसर जांच कर रहे हैं।

टैक्स चोरी का मिला था इनपुट: आयकर विभाग को टैक्स चोरी का इनपुट मिला था। इसकी अब जांच की जा रही है। मप्र, महाराष्ट्र और उड़ीसा समेत तेलंगाना के आईटी अफसर इस कार्रवाई में शामिल हैं। हालांकि आयकर विभाग ने इस कार्रवाई पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

गोंदिया, काकीनाडा सहित 22 स्थानों पर आयकर छापेमारी: आयकर विभाग की कार्रवाई रायपुर के अलावा महाराष्ट्र के गोंदिया, आंध्रप्रदेश के काकीनाडा सहित कुल 22 स्थानों पर की गई है।

छापेमारी में मध्यप्रदेश सहित चार राज्यों के 200 आईटी अफसर: इस आईटी छापेमारी में लगभग 200 आयकर अधिकारी शामिल हैं, जिनमें मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और तेलंगाना से आए आईटी अधिकारी हैं। आयकर विभाग को शिकायत मिली थी कि कुछ कारोबारियों का अधिकांश कारोबार नगदी में होता है और बड़ी कर चोरी की जा रही है।

6वीं की छात्रा से 2 छात्रों ने किया गैंगरेप

प्रेग्नेंट हुई, बलरामपुर में तबीयत बिगड़ने पर हुई जांच में पता चली प्रेग्नेंसी

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में 6वीं की छात्रा से गैंगरेप का मामला सामने आया है। छात्रा के दो नाबालिग साथी ने ही गैंगरेप किया है। हॉस्टल में रहने वाली छात्रा की बार-बार तबीयत बिगड़ रही थी। जब छात्रा का मेडिकल चेकअप हुआ तो पता चला कि वो प्रेग्नेंट है। इसके बाद गैंगरेप का खुलासा हुआ।

जैसे ही इस मामले का पता चला तो पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। पुलिस ने मामले में दो नाबालिग छात्रों के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया है। दोनों आरोपी पिछले कुछ माह से छात्रा से रेप कर रहे थे। घटना कोरंधा थाना क्षेत्र की है।

दीपावली की छुट्टी में घर जाने पर बिगड़ी थी तबीयत: जानकारी के मुताबिक, कोरंधा थानाक्षेत्र में संचालित एक निजी स्कूल में छात्रा कक्षा छठवीं में पढ़ती है। निजी स्कूल के संचालक का हॉस्टल भी है, जहां एक कमरे में लड़के और दूसरे में लड़कियां रहती हैं। पीड़ित आदिवासी छात्रा दीपावली की छुट्टी में घर गई थी, जहां उसकी तबीयत बिगड़ी तो परिजनों ने जड़ी-बूटी से उसका उपचार कराया था। छात्रा के स्वस्थ होने पर उसे फिर से हॉस्टल भेज दिया गया था।

तबीयत बिगड़ी तो प्रेग्नेंसी का पता चला: छात्रा की तबीयत फिर बिगड़ी तो डॉक्टर से उसकी जांच कराई गई। जांच के बाद उसके प्रेग्नेंट होना बताया गया। इससे परिजन सकते में आ गए। इसकी सूचना कोरंधा पुलिस को दी गई। कोरंधा थाना प्रभारी विरासत कुजुर ने बताया कि छात्रा से महिला जांच अधिकारियों ने बात की तो उसने हॉस्टल में रहने वाले एक छात्र और एक बाहर रहने वाले स्कूली छात्र द्वारा कुछ माह पूर्व गैंगरेप करने और कई बार अलग-अलग रेप करने की जानकारी दी।

पुलिस ने पूछताछ के बाद बीती रात दोनों छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। दोनों आरोपी नाबालिग हैं।

आज होगी मेडिकल जांच: छात्रा कितने माह से प्रेग्नेंट है, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। आज (बुधवार) छात्रा की मेडिकल जांच कराई जाएगी एवं सोनोग्राफी भी होगी, ताकि प्रेग्नेंसी की अवधि का पता चल सके।

सड़क किनारे शराब दुकान, हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

शराबियों का जमावड़ा, ट्रैफिक जाम से लोग परेशान, युवतियों-महिलाओं से बदसलूकी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में आबकारी विभाग ने मेन रोड पर शराब दुकान खोल दी है, जिससे सड़क पर शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है और ट्रैफिक जाम की समस्या होती है। इससे महिलाएं सहित आम लोग परेशान हो रहे हैं।

इसे लेकर प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र अग्रवाल ने जनहित याचिका मानकर सुनवाई शुरू की है। कोर्ट ने मामले में आबकारी सचिव और बिलासपुर के निगम कमिश्नर को शपथ पत्र के साथ जवाब मांगा है। केस की अगली सुनवाई 6 फरवरी को होगी।

शराब दुकान लोगों के लिए परेशानी का सबब: दरअसल, शहर के सिरगिट्टी क्षेत्र में मेन रोड पर संचालित शराब की दुकान लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। यहां शासन के नियमों को ताक पर रखकर शराब दुकान चलाई जा रही है।

अंडर ब्रिज के पास दुकान होने के कारण शाम के समय वहां शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे वहां से आने-जाने वाले लोगों खासकर महिलाओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यहां से शराब दुकान हटाने की मांग की गई थी, लेकिन अधिकारियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया।

युवतियों और महिलाओं से बदसलूकी: कई बार शराबी युवतियों और महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करते नजर आते हैं। इससे विवाद की स्थिति भी बनती है। शराब दुकान मंदिर व आवासीय परिसर से महज कुछ ही दूरी पर है। लोगों ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर शराब दुकान को हटाने की मांग भी की थी। लेकिन अब तक न तो शराब दुकान हटाई गई और न ही लोगों की परेशानी कम हुई।

शराब दुकान के पास ही अहाता, पुलिस भी नहीं करती कार्रवाई: शराब दुकान के पास ही एक घेरा बना दिया गया है। लोग यहां से शराब खरीदकर उसी घेरे में बैठकर पीते हैं। दूसरी समस्या यह है कि शराबी मुख्य सड़क पर अपनी बाइक खड़ी कर देते हैं, जिससे सड़क पर हर दिन जाम की स्थिति बनती है। ट्रैफिक समस्या पर पुलिस भी कार्रवाई नहीं करती, जिसके कारण बदमाशों का हौसला बुलंद रहता है।

हाईकोर्ट ने जनहित याचिका माना, आबकारी सचिव से मांगा जवाब: इस संबंध में मीडिया में प्रकाशित खबरों को हाईकोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए जनहित याचिका मानकर सुनवाई शुरू की है। मामले में हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने आबकारी सचिव और निगम आयुक्त से शपथ पत्र के साथ जवाब मांगा है।

कलेक्ट्रेट परिसर में जाबो कार्यक्रम के तहत मतदाताओं किया जा रहा जागरूक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार नगरीय निकाय आम निर्वाचन 2025 के तहत जाबो (जागव-वोटर) कार्यक्रम के तहत कलेक्ट्रेट परिसर में लोगों को मतदान की प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम में ईवीएम प्रदर्शन और प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर्स द्वारा कराया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर द्वारा ईवीएम के प्रदर्शन के दौरान मतदान प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। वहीं मास्टर ट्रेनर नागरिकों को डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से ईवीएम का उपयोग समझा रहे एवं उनकी शंकाओं व जिज्ञासाओं का समाधान कर रहे हैं। नाम वापसी की तिथि से मतदान के दो दिवस पूर्व तक ईवीएम का प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें डमी मतपत्र का उपयोग किया जा रहा है। इस डमी मतपत्र में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की संख्या समान रखी जाएगी, लेकिन अभ्यर्थियों के नाम एवं प्रतीक मुद्रित नहीं किए गये है । जिन वार्डों में दो या अधिक बैलेट यूनिट (बीयू) की आवश्यकता होगी, वहां पर उतनी संख्या में बैलेट यूनिट का उपयोग प्रदर्शन के लिए किया जा रहा है। इसके साथ ही कलेक्टर कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय, तहसील, मुख्य नगर पालिका अधिकारी कार्यालय एवं जिले के प्रोफेशनल व डिग्री कॉलेजों में भी ईव्हीएम डेमोंस्ट्रेशन यूनिट स्थापित किया जायेगा। इसके अलावा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से भी ईवीएम के संबंध में आवश्यक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक नागरिक इस प्रक्रिया से अवगत हो रहे हैं।

आज कलेक्ट्रेट परिसर में उप जिला निर्वाचन अधिकारी सी.एस. पैंकरा ने अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ ईवीएम का डेमोंस्ट्रेशन देखा, इसके साथ ही उन्होंने मास्टर ट्रेनरों को बताया कि कलेक्ट्रेट में आने वाले लोगों के मतदान संबंधी समस्त शंकाओं का समाधान करें।

समस्त नगर पंचायतों में किया जा रहा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार नगरीय निकाय आम निर्वाचन 2025 के तहत जाबो (जागव-वोटर) कार्यक्रम के तहत लोगों को मतदान की प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम में ईवीएम प्रदर्शन और प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर्स द्वारा कराया जा रहा है। जिसमें आज जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़, नगर पालिका परिषद एवं अन्य नगर पंचायतों में भी ईवीएम प्रदर्शन और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिला मुख्यालय में उपस्थित मास्टर ट्रेनर रंजीता बड़ा एवं रितेश महतो के बतायें अनुसार 183 मतदाताओं द्वारा प्रशिक्षण लिया गया। जिसमें विनीत जायसवाल, विवेक अग्रवाल और अन्य मतदाताओं ने प्रशिक्षण लिया गया। इसी क्रम में आज नगरपालिका निगम चिरमिरी, नगर पालिका परिषद् मनेंद्रगढ़ के वार्ड क्रमांक 03 में मास्टर ट्रेनर नम्रता सिंह एवं सूची पाण्डेय के द्वारा 60 वोटरों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें वार्ड के सुभद्राबाई, घनश्याम दास, लीलाधर केवट, यमुना बर्मन और अन्य मतदाताओं द्वारा प्रशिक्षण लिया गया। वहीं दूसरी तरफ मनेन्द्रगढ़ के ही वार्ड क्रमांक 4 में भी जाबो (जागव-वोटर) कार्यक्रम के तहत 50 वोटरों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें वार्ड के वीरेंद्र कुमार, सूरज प्रसाद और अन्य मतदाताओं द्वारा प्रशिक्षण लिया गया। इसी प्रकार जिले में स्थित नगर पंचायत नई लेदरी एवं नगर पंचायत झगराखांड के कार्यालय में भी ईवीएम का प्रदर्शन कर लोगों को जागरूक किया गया। जिसमें नगर पंचायत नई लेदरी के मास्टर ट्रेनर डॉ. अमूल्य चंद्र झा के बताए अनुसार 66 वोटरों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें प्रेमलाल, संतोष, रेखा बोराल सहित अन्य मतदाताओं द्वारा प्रशिक्षण लिया गया। वहीं दूसरी तरफ नगर पंचायत झगराखंड के मास्टर ट्रेनर सुरेंद्र जायसवाल एवं पारसमणि ने बताया कि उनके यहां 70 वोटरों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें दिलीप सिंह, उमेश कुमार, अजय सिंह सहित अन्य मतदाताओं को प्रशिक्षण दिया गया।

नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी पूरी, 2700 कर्मचारियों को दी जाएगी ट्रेनिंग, ईवीएम से मतदान की प्रक्रिया समझाई जाएगी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर जिले के 7 नगरीय निकायों में होने वाले चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए 2700 कर्मचारियों और अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इन सभी कर्मियों को 30 और 31 जनवरी को विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश शरण के निर्देशानुसार, स्वामी आत्मानंद स्कूल दयालबंद और स्वामी आत्मानंद लाल बहादुर शास्त्री उमावि में प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। मल्टीपर्पज स्कूल में दो दिनों में 1800 और शास्त्री स्कूल में एक दिन में 900 कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

दो पालियों में प्रशिक्षण की व्यवस्था: प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5:30 बजे तक चलेगी। प्रत्येक पाली में 450 कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

मतदान दलों को उपस्थित रहने के निर्देश: मास्टर ट्रेनर्स द्वारा कर्मचारियों को ईवीएम और मतपेटी दोनों माध्यमों से मतदान कराने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण में निकायवार नियुक्त सेक्टर अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। कलेक्टर ने सभी मतदान दलों को प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया है।

केल्हारी में मनाया गया "मतदान जागरूकता अभियान"

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार जिले में लगातार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में "संगम बिहान महिला आजीविका संकुल संगठन" केल्हारी में "मतदान जागरूकता अभियान" का कार्यक्रम बहुत ही शानदार तरीके से आयोजित किया गया। जिसमें स्वसहायता समूह की दीदियों ने "जागरूकता अभियान रंगोली" बनाकर जागरूकता का संदेश दिया। उसके पश्चात रैली निकालकर आसपास के क्षेत्र में मतदाता जागरूकता के नारे लगाए गए, तत्पश्चात सभी ने शपथ ग्रहण करके संकल्प लिया, कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए वह पूरी निष्ठा के साथ अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे ।

मुंबई के श्री सिद्धिविनायक मंदिर में ड्रेस कोड लागू

मीडिया ऑडीटर, मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर के मैनेजमेंट ने मंदिर में आने वालों के लिए ड्रेस कोड तय किया है। स्कर्ट या रिवीलिंग ड्रेस (खुले कपड़े) पहनकर आने वालों को मंदिर में एंट्री नहीं दी जाएगी। नया नियम अगले हफ्ते से लागू होगा। श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट ने कहा, मंदिर आने वालों को सभ्य और शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनने होंगे। ऐसा नहीं करने पर श्रद्धालुओं को प्रभादेवी एरिया में एंट्री की परमिशन नहीं होगी। ट्रस्ट ने कहा कि मंदिर में देशभर से हर रोज हजारों श्रद्धालु आते हैं। कई लोग कपड़ों को लेकर शिकायत करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि पूजास्थल में छोटे कपड़े पहनकर आना अपमानजनक है। ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए 1 जनवरी 2024 से ड्रेस कोड लागू किया गया था। मंदिर परिसर में पान-गुटखा खाने और प्लास्टिक प्रोडक्ट्स यूज करने पर बैन लगा है।

दिल्ली बुराड़ी हादसा- 4 लोग 24 घंटे बाद रेस्क्यू

मीडिया ऑडीटर, नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के बुराड़ी इलाके में 27 जनवरी की शाम 4 मंजिला नवनिर्मित इमारत ढह गई थी। इस घटना में 5 लोगों की मौत हो गई। अब तक 21 लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। रेस्क्यू किए गए लोगों में एक ही परिवार के 4 सदस्य दंपती और दो बेटे भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बिल्डिंग की छत का स्लैब एलपीजी सिलेंडर पर गिरा था। इससे बने गैप में ये चारों फंस गए और मलबे में दबने से बच गए। नॉर्थ दिल्ली डिप्टी कमिश्नर राजा बंठिया ने कहा- दिल्ली पुलिस, फायर बिग्रेड, डीडीए और एनडीआरएफ की टीमें अब भी रेस्क्यू में जुटी हैं। बुधवार रात तक रेस्क्यू जारी रहेगा। मकान मालिक योगेंद्र भाटी और अन्य के खिलाफ पर केस दर्ज किया गया है। मरने वालों में साधना (17), राधिका (7), अनिल गुप्ता (42) और दो मजदूर मोहम्मद सरफराज (22) और मोहम्मद कादिर (40) शामिल हैं। फिलहाल बिल्डिंग हादसे के कारण का पता नहीं चल सका है।

कोलकाता रेप-मर्डर, पेरेंट्स ने दोबारा जांच की याचिका वापस ली

मीडिया ऑडीटर, नई दिल्ली (एजेंसी)। 9 अगस्त की सुबह आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर की लाश मिली थी। 20 जनवरी को सेशन कोर्ट ने संजय को उम्रकैद की सजा सुनाई। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप-मर्डर मामले की आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई से पहले विक्टिम के माता-पिता ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका वापस ले ली। 20 जनवरी को उन्होंने कहा था वे सीबीआई जांच से संतुष्ट नहीं हैं और नए सिरे से जांच चाहते हैं।

मुख्यमंत्री और जेट्रो अध्यक्ष श्री काताओका ने की मध्यप्रदेश में जापानी निवेश पर विस्तृत चर्चा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष श्री सुसुमु काताओका और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ टोक्यो के मिनाटो-कू में विस्तृत चर्चा की। बैठक में जापानी कंपनियों के मध्यप्रदेश में निवेश को लेकर संभावनाओं और सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में जेट्रो के 5 कार्यालय नई दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई और अहमदाबाद हैं, लेकिन मध्यप्रदेश में इसका कोई कार्यालय नहीं है। उन्होंने जेट्रो को राज्य में एक कार्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव दिया ताकि जापानी कंपनियों और राज्य सरकार के बीच संवाद और सहयोग को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश, अपनी रणनीतिक स्थिति, मजबूत बुनियादी ढांचे और अनुकूल औद्योगिक वातावरण के कारण, जापानी निवेशकों के लिए एक आदर्श स्थान है।

उन्होंने बताया कि राज्य लो सेस्मिक ज़ोन में आता है, जिससे यहाँ

निवेश की सुरक्षा और स्थिरता बनी रहती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार सेमीकंडक्टर, (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स), एक्सटेंडेड रियलिटी और ग्लोबल कैप्टिव सेंटर क्षेत्रों के लिए विशेष नीतियाँ लेकर आ रही है, जिसका लाभ जापानी कंपनियाँ उठा सकती हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि टीसीएस, इन्फोसिस, एलटीआइ माइंड-ट्री जैसी देश की प्रमुख आईटी कंपनियाँ पहले से ही राज्य में कार्यरत हैं।

प्रधानमंत्री बोले- यमुना का पानी प्रधानमंत्री भी पीता है

मीडिया ऑडीटर, नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी बुधवार को विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली पहुंचे। पीएम ने करतार नगर में 50 मिनट की स्पीच दी। इस दौरान उन्होंने शिक्षा घोटाला, शराब घोटाला, शीशमहल का जिक्र किया। साथ ही यमुना में जहर मिलाने के केजरीवाल के आरोपों का भी जवाब दिया। पीएम ने कहा- दिल्ली के एक पूर्व सीएम ने हरियाणा के लोगों पर घिनौने आरोप लगाए। क्या हरियाणा के लोग अपने बच्चों के पानी में जहर मिला सकते हैं क्या। हरियाणा का भेजा यही पानी दिल्ली में रहने वाले हमारे सारे जज, जस्टिस, सम्मानित सदस्य पीते हैं। आपका प्रधानमंत्री भी यही पानी पीता है। क्या कोई सोच

सकता है कि मोदी को जहर देने के लिए हरियाणा ने जहर दिया होगा। क्या बात करते हो। पीएम ने चुनाव सभा के दौरान कुंभ हादसे का भी जिक्र किया। पीएम ने कहा- महाकुंभ में जो दुखद हादसा हुआ, उसमें हमने कुछ पुण्य आत्माओं को खोया है। उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। आप यहां वर्किंग डे होने के बाद भी इतनी विशाल संख्या में, दोपहर के समय हम सबको आशीर्वाद देने आए हैं। मैं आपका बहुत आभार व्यक्त करता हूं। लेकिन ये दृश्य है, ये दिल्ली का मूड बता रहा है। दिल्ली के जनादेश के दर्शन करा रहा है। दिल्ली कह रही है कि अब आप-दा के बहाने नहीं चलेगें। आप-दा के फर्जी वादे नहीं चलेंगे। दिल्ली कर रही है कि आप-दा की लूट और झूठ नहीं चलेगा।

2. दिल्ली के लोग भाजपा की डबल इंजन की सरकार चाहते हैं दिल्ली के लोग भाजपा की डबल इंजन की सरकार चाहते हैं। ऐसी सरकार चाहते हैं जो गरीबों के घर बनाए। दिल्ली को आधुनिक बनाए, हर घर नल से जल पहुंचाए, टैंकर माफिया से मुक्ति दिलाए। दिल्ली कह रही है 5 फरवरी आएगी भाजपा आएगी, आप-दा जाएगा।

3. कांग्रेस-आप ने 25 साल में आपकी दो पीढ़ियां बर्बाद कीं ये 21वीं सदी है। इसके 25 साल बीत चुके। इसके पहले 14 साल आपने देखें हैं। इसमें कांग्रेस का कार्यकाल देखा है। 11 साल आप-दा सरकार को दिए। लेकिन दिल्ली की समस्या वहीं की वहीं है। 25 साल इन दोनों ने आप की दो-दो पीढ़ी बर्बाद की हैं। दिल्ली को इन हालात से कौन निकाल सकता है। आपका एक वोट इन मुसीबतों से मुक्ति दिला सकता है। हमें 11 साल के पेंडिंग काम करने है। आने वाले 25-30 साल की तैयारियां करनी हैं।

केजरीवाल के खिलाफ हरियाणा सरकार एफआईआर कराएगी

मीडिया ऑडीटर, नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ हरियाणा सरकार [illegible] दर्ज कराएगी। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने राजनीति गर्माने के लिए यमुना में जहर मिलाने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल पर सोनीपत में चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में डिजास्टर मैनेजमेंट की धारा 2डी,154 के तहत मामला दर्ज कराया जाएगा। केजरीवाल ने हरियाणा और दिल्ली की जनता में पैनिक फैलाने का काम किया है।

गोयल ने कहा, आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल कहते हैं कि यमुना में हरियाणा सरकार ने जहर मिलाया है, जबकि प्रधानमंत्री भी कहते है कि वे यमुना का पानी पीते हैं। राष्ट्रपति भी इस पानी को सेवन करती हैं, तो क्या हरियाणा जहरीला पानी देगा?

केजरीवाल ने गैर जिम्मेदाराना बयान दिया है, हरियाणा सरकार उन्हें इसके लिए बिल्कुल माफ नहीं करेगी। दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल के आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। दिल्ली में 5 फरवरी को सभी 70 सीटों पर वोटिंग होगी। वहीं, 8 फरवरी को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

नेशनल क्रिटिकल मिनरल्स मिशन को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

मीडिया ऑडीटर, नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को मीडियाकर्मियों को कई परियोजनाओं पर कैबिनेट द्वारा लिए गए प्रमुख फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा, कैबिनेट ने नेशनल क्रिटिकल मिनरल्स मिशन के लिए 16,300 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 16,300 करोड़ रुपये के व्यय और पीएसयू आदि द्वारा 18,000 करोड़ रुपये के अपेक्षित निवेश के साथ राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन (एनसीएमएम) के शुभारंभ को मंजूरी दे दी है। मंत्री ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत पहल के हिस्से के रूप में, और उच्च तकनीकी उद्योगों, स्वच्छ ऊर्जा और रक्षा में महत्वपूर्ण खनिजों की अपरिहार्य भूमिका को पहचानते हुए, भारत सरकार ने महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में चुनौतियों का समाधान करने के लिए पिछले दो वर्षों में कई पहल की हैं। सरकार ने एक बयान में कहा कि महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता के लिए एक प्रभावी ढांचा स्थापित करने की आवश्यकता है।

वक्फ संशोधन विधेयक को जेपीसी की मंजूरी

मीडिया ऑडीटर, नई दिल्ली (एजेंसी)। जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी वक्फ (संशोधन) विधेयक पर अपनी रिपोर्ट बजट सत्र के दौरान पेश करेगी। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होकर 4 अप्रैल तक चलेगा।

वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच कर रही संसद की जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी ने बुधवार को ड्रॉफ्ट रिपोर्ट को मंजूरी दे दी। 16

सदस्यों ने इसके पक्ष में वोट डाला। वहीं 11 मेंबर्स ने विरोध किया। जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा, अब यह रिपोर्ट गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के सामने पेश की जाएगी।

सैफ हमला केस-आरोपी शरीफुल 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी में

मीडिया ऑडीटर, मुंबई (एजेंसी)। सैफ अली खान पर हमला करने वाले आरोपी शरीफुल इस्लाम की पुलिस कस्टडी खत्म होने के बाद बुधवार (29 जनवरी) को बांद्रा कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस ने बताया कि जांच में यह सामने आया है कि आरोपी ने वारदात से

पहले जगह की रेकी की थी और पूरी तरह से तैयारी की थी। आरोपी के कुछ और साथी हो सकते हैं, जिसकी इन्वेस्टिगेशन जारी है। साथ ही, शरीफुल के रिश्तेदारों को पैसे भेजने के मामले की भी जांच चल रही है।

इधर, मंगलवार को मुंबई पुलिस ने सैफ अली खान पर हमले को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस परमजीत सिंह दाहिया ने बताया, हमने इस मामले में शरीफुल इस्लाम को पकड़ा है, वही सही आरोपी है।

किसान आंदोलन पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब और हरियाणा के खनौरी और शंभू बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन से जुड़े मामले की आज (बुधवार) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। दूसरी तरफ खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन 65वें दिन में दाखिल हो गया है।

अब उनकी सेहत में लगातार सुधार हो रहा है। उन्हें फिलहाल ट्रॉली में रखा गया। जबकि नए कमरे का निर्माण भी चल रहा है। वहीं, संयुक्त किसान मोर्चे एसकेएम ने शंभू और खनौरी मोर्चे से एकता मीटिंग बुलाने की तैयारी की है। पता चला है पहले 12 फरवरी को मीटिंग बुलाई थी। लेकिन उस दिन महापंचायत है। ऐसे में इस तारीख में बदलाव हो सकता है।

डल्लेवाल का अनशन लगातार जारी है।

एमपी- राजस्थान सहित 3 राज्यों में ठंड कम

मीडिया ऑडीटर, नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ठंड का असर कम हो गया है। यहां दिन का तापमान 30 डिग्री तक पहुंच गया है। उधर बिहार में कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया गया है। हरियाणा में करनाल-पानीपत में विजिबिलिटी 20 मीटर तक रह गई।

उधर जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में बुधवार को बारिश या बर्फबारी हो सकती है। कश्मीर इस बार असामान्य मौसम पैटर्न से गुजर रहा है। बीते दिन पिछले 24 घंटे के दौरान कश्मीर के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस का अंतर रहा।

इस दौरान श्रीनगर का न्यूनतम तापमान माइनस 4.3 डिग्री रहा, जो अनुमान से 3.4 डिग्री कम था। वहीं, अधिकतम तापमान 14.2 डिग्री था जो इस मौसम के हिसाब से 6.4 डिग्री ज्यादा था।

वहीं, दिल्ली में अगले कुछ दिन तक आसमान साफ रहेगा। साथ ही उत्तर-पश्चिमी हवाओं की वजह से कुछ दिन तापमान बढ़ने की संभावना है। हालांकि बुधवार शाम हल्के बादल रहने के आसार हैं। शहर का अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

जम्मू-कश्मीर में 21 दिसंबर से शुरू हुए चिल्लई-कलां खत्म होने में अभी 1 दिन बाकी है। 40 दिन तक चलने वाला तेज ठंड का दौर 30 जनवरी को खत्म होगा।

इसके बाद 20 दिनों का चिल्लई-खुर्द (छोटी सर्दी) और 10 दिनों का चिल्लई-बच्चा (कम सर्दी) का मौसम रहेगा।

इसरो ने जीएसएलवी-एफ 15 से भेजा नेविगेशन सैटेलाइट

मीडिया ऑडीटर, श्रीहरिकोटा (एजेंसी)। इंडियन स्पेस एजेंसी श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ-15 के जरिए एनवीएस-02 सैटेलाइट लॉन्च किया। जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्चिंग व्हीकल 29 जनवरी को सुबह 6:23 बजे सतीश धवन स्पेस सेंटर के दूसरे लॉन्च पैड से उड़ान भरी। इसरो का यह 100वां लॉन्चिंग मिशन है।

इसरो ने बताया कि एनवीएस-02 को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित कर दिया गया है। यह सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम का हिस्सा है, जो भारत में जीपीएस जैसी नेविगेशन सुविधा को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह सिस्टम कश्मीर से कन्याकुमारी, गुजरात से अरुणाचल तक का हिस्सा कवर करेगा। साथ ही साथ कोस्टल लाइन से 1500 किमी तक की दूरी भी कवर होगी।

इससे हवाई, समुद्री और सड़क यात्रा के लिए बेहतर नेविगेशन हेल्प मिलेगी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन- इसरो की स्थापना 15 अगस्त 1969 को की गई थी।

केजरीवाल दलितों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ, केवल झूठे वादे करते हैं-राहुल गांधी

मीडिया ऑडीटर, नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली चुनाव को लेकर बवाना में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि पहले अरविंद केजरीवाल छोटी कार में शहर में घूमते थे, बिजली के खंभों पर चढ़ते थे। उन्होंने कहा था कि मैं स्वच्छ राजनीति लाऊंगा। उसके बाद दिल्ली में सबसे बड़ा घोटाला--करोड़ों रुपये का शराब घोटाला, उनकी पार्टी ने, उनके लोगों ने किया। उन्होंने कॉरपोरेट सरकार चलाई है। पांच साल पहले,

अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि वह यमुना नदी में स्नान करेंगे और यमुना नदी का पानी पीएंगे। पांच साल हो गये, आज तक केजरीवाल जी ने यमुना का पानी नहीं पिया। राहुल कहा साफ तौर पर कहा कि लोगों को गंदा पानी पीना पड़ता है लेकिन केजरीवाल जी शीशमहल में रहते हैं। वह करोड़ों रुपए के घर में रहते हैं। वह साफ पानी पीते हैं और आपको गलत बयान देते हैं। राहुल ने कहा कि हम रोजगार, विकास और प्रगति की बात करते हैं।

महाकुंभ भगदड़ में 35 से 40 मौतें

मीडिया ऑडीटर, नई दिल्ली (एजेंसी)। हादसा मंगलवार देर रात करीब डेढ़ बजे हुआ। भगदड़ उस वक्त मची जब लोग संगम तट पर मौनी अमावस्या के स्नान लिए इंतजार कर रहे थे। यह हादसा क्यों हुआ इसकी वजह सामने नहीं आई है। उधर, अब तक राज्य सरकार ने इस पर आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

मेडिकल कॉलेज पहुंचीं, जहां हादसे में मारे गए लोगों के शव रखे गए थे। मेडिकल कॉलेज में रिपोर्टर्स ने 20 शव गिने। यहां

आखिरी डेडबॉडी पर 40 नंबर लिखा हुआ था। इससे पहले मेडिकल कॉलेज में 14 शव पोस्टमॉर्टम के लिए लाए गए थे। फिर मेले से 8-10 एंबुलेंस से कुछ और शवों को लाया गया। इन्हें मिलाकर करीब 20 शव उनके परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। वे उन्हें लेकर चले भी गए हैं। भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज में एंट्री करने वाले 8 पॉइंट-भदोही, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, जौनपुर, मिजापुर बॉर्डर को बंद कर दिया गया हैं।

तिलक वर्मा ने किया बड़ा कारनामा, बल्लेबाज ने हासिल की अपनी बेस्ट टी20 रैंकिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिलक वर्मा ने भारत के लिए इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया है। तिलक वर्मा ने तीन मैचों में 109 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक मुकाबले में नाबाद 72 रनों की बेहतरीन पारी भी खेली। तिलक शानदार प्रदर्शन के दम पर आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। ये तिलक के करियर की बेहतरीन बेस्ट रैंकिंग है। यशस्वी जायसवाल को टी20 रैंकिंग में नुकसान हुआ है।

पूरा हुआ स्टीव स्मिथ का सपना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने बुधवार को श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट में 10 हजार रन पूरा करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में पहली पारी के दौरान ये कारनामा किया। स्टीव स्मिथ खेल के सबसे लंबे प्रारूप में दस दसार रन पूरा करने वाले ऑस्ट्रेलिया के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सिर्फ एक रन से दस हजार रन पूरा करने से चूक गए थे लेकिन उनका ये सपना अब पूरा हो गया है।

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन अपना पहला रन बनाते ही ये उपलब्धि हासिल की। बैटर स्टीव स्मिथ में 10 हजार से ज्यादा रन बनाने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गए हैं। स्मिथ ने रिकी पोंटिंग (13,378), एलनबॉर्डर (11,174) और स्टीव वॉ (10,927) जैसे बल्लेबाजों की खास सूची में जगह बना ली है। वहीं टेस्ट फॉर्मेट में 10 हजार रन पूरा कनरे वाले दुनिया के 15वें बल्लेबाज बन गए हैं। स्टीव स्मिथ पारी के लिहाज से सबसे तेज 10 हजार रन पूरा करने वाले ऑस्ट्रेलिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। दिग्गज रिकी पोंटिंग ने अपनी 196वीं पारी में ये उपलब्धि हासिल की थी।

बच्चे ने पूछा इंडियन क्रिकेटर बनने के लिए क्या करना होगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली इन दिनों रणजी ट्रॉफी 2024-25 के लिए जमकर प्रैक्टिस कर रहे हैं। कोहली दिल्ली के लिए 30 जनवरी से रेलवे के खिलाफ खेले जाने वाले रणजी ट्रॉफी मुकाबले में खेलते हुए नजर आएंगे। मुकाबले में खेलते हुए नजर आएंगे। मुकाबले से पहले भारतीय बल्लेबाज से दिल्ली अरुण जेटली स्टेडियम में प्रैक्टिस के दौरान एक बच्चे ने पूछा कि इंडियन क्रिकेटर बनने के लिए क्या करना पड़ेगा? इस सवाल का कोहली ने बड़ा ही शानदार जवाब दिया। ये सवाल कोहली के बचपन के दोस्त के बेटे ने पूछा। कोहली ने बच्चे को जवाब देते हुए कहा कि, बहुत हार्ड वर्क करना पड़ेगा। पापा को आपको प्रैक्टिस और ट्रेनिंग के लिए नहीं बोलना पड़ेगा। आपको खुद सुबह उठकर प्रैक्टिस के लिए जाना है। खुद ट्रेनिंग के लिए जाना है, अगर कोई एक घंटा प्रैक्टिस करता है तो आप दो घंटा प्रैक्टिस करो। एक ही तरीका है बस। कोहली ने आगे कहा कि, कोई अगर फिफ्टी बनाता है, तो आप हंड्रेड बनाओ। कोई हंड्रेड बनाता है तो आप डबल हंड्रेड बनाओ। जो बेंचमार्क है उससे डबल, तो फिर लेवल अप ठीक हैं? बस कभी अगर बोलने की जरूरत पड़े तो वो ठीक नहीं है। आपको कहना चाहिए कि मुझे प्रैक्टिस कना है हमें करना चाहिए। आपको एक दिन आराम करना चाहिए।

इस दिन खेलेंगे विराट कोहली रणजी मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी 2025 के लीग स्टेज के सातवें और आखिरी राउंड के मुकाबले 30 जनवरी से शुरू होंगे। छठे राउंड के मुकाबले में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल और रविंद्र जडेजा खेलते हुए दिखे। वहीं इस बार फैंस की नजरें विराट कोहली पर होगी। कोहली 12 साल बाद दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफी मैच खेलने उतरेंगे। ये मैच उनके घरेलू मैदान अरुण जेटली में ही खेला जाना है। कोहली ने मंगलवार और बुधवार को टीम के साथ ट्रेनिंग सेशन में भी हिस्सा लिया था।

दिल्ली का सामना 30 जनवरी से शुरू होने वाले मैच में रेलवे से है। हर राउंड में केवल तीन ही मैचों का टेलीकास्ट किया जाता है। बीसीसीआई पहले इस मैच का लाइव ब्रॉडकास्ट नहीं करने वाला था। हालांकि, कोहली के खेलने के बाद फैसला किया गया कि रेलवे और दिल्ली के मैच का भी लाइव ब्रॉडकास्ट किया जाएगा।

इसके अलावा बरोडा बनाम जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक बनाम हरियाणा और बंगाल बनाम पंजाब के मैचों का भी लाइव ब्रॉडकास्ट होगा।

कब खेला जाएगा दिल्ली बनाम रेलवे का रणजी मैच?

विराट कोहली का रणजी मैच यानी दिल्ली और रेलवे के बीच मुकाबला 30 जनवरी से 2 फरवरी, रविवार के बीच खेला जाएगा। मुकाबले की शुरुआत सुबह साढ़े 9 बजे से होगी।

कहां खेला जाएगा दिल्ली बनाम रेलवे का रणजी मैच?

दिल्ली और रेलवे के बीच मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा।

कब और कैसे फ्री में देखें दिल्ली बनाम रेलवे मैच का लाइव टेलीकास्ट?

दिल्ली और रेलवे के बीच विराट कोहली के रणजी मैच का लाइव टेलीकास्ट स्पोर्ट्स 18 पर होगा। वहीं मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियो सिनेमा ऐप और वेबसाइट पर होगी।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज का बयान, कहा- हार्दिक पंड्या के कारण टीम के बाकी बल्लेबाजों को नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टी20 मैच खेला गया। जिसमें भारत को 26 रन से हार झेलनी पड़ी। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 171 रन बनाए और राजकोट में भारतीय टीम 172 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई। भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन हार्दिक पंड्या ने बनाए। उनके बल्ले से 40 रन निकले। इसके बावजूद पूर्व खिलाड़ी पार्थिव पटेल ने इस भारतीय ऑलराउंडर के प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं।

दरअसल, पटेल के मुताबिक मैच के दौरान हार्दिक पंड्या ने बीच के ओवर्स में स्ट्राइक रोटेट नहीं की। उन्होंने कई बार सिंगल लेने से इनकार किया। वह ज्यादा गेंदे खेले इसके कारण बाकी बल्लेबाजों पर दबाव बना। पार्थिव के मुताबिक टीम इंडिया को हार्दिक पंड्या के बल्लेबाजी की अप्रोच को लेकर सोचना चाहिए।

पार्थिव पटेल ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि, मैं समझता हूं कि जब आप अपना समय ले रहे हैं तो आप पिच की गति और उछाल से अभ्यस्त होना चाहते हैं। लेकिन आप जमने के लिए 20-25 गेंदें नहीं ले सकते। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं। आप बड़े शॉट नहीं खेलना चाहते ये ठीक है लेकिन आपको फिर भी स्ट्राइक रोटेट करते रहना होगा। आप लगातार तीन या चार डॉट बॉल नहीं खेल सकते हैं।

पटेल ने आगे कहा कि, आप हार्दिक पंड्या को 34 गेंदों में 40 रन बनाते हुए देख सकते हैं। लेकिन उनकी पारी में की डॉट बॉल हैं जो अन्य बल्लेबाजों पर भी दबाव डालते हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि ये कुछ ऐसा है जिसके बारे में भारत सोच सकता है। आप अपना समय लें हां, ये कम स्कोर है, लेकिन आपको इसके साथ-साथ स्ट्राइक भी रोटेट करनी होगी।

जसप्रीत बुमराह ने जीता सर गारफील्ड सोबस अवॉर्ड

नई दिल्ली। टीम इंडिया के बेहतरीन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सर गारफील्ड सोबर्स अवॉर्ड जीतकर नया कीर्तिमान रचा है। उन्होंने आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 बनाकर नया कार्तिमान रच दिया। वह प्रतिष्ठित सर गारफील्ड सोबर्स अवॉर्ड जीतने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बन गए हैं। बुमराह ने पिछले साल कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 2024 में सबसे ज्यादा 86 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 71 विकेट झटके। उन्होंने 2024 का आईसीसी पुरुष टेस्ट क्रिकेट ऑप द ईयर पुरस्कार भी अपने नाम किया है। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रैविस हेड, इंग्लैंड के दिग्गज जो रूट और युवा क्रिकेटर हैरी ब्रूक को पछाड़ा है। ये ट्रॉफी एक साल में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर को दी जाती है। पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड का नाम दुनिया के महान क्रिकेटर्स में से एक गारफील्ड सोबर्स के नाम पर रखा गया है। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर को को गैरी सबोर्स के नाम से भी जाना जाता है। जसप्रीत बुमराह से पहले भारत के लिए राहुल द्रविड़ के अलावा सचिन तेंदुलकर, रवि अश्विन और विराट कोहली ने प्रतिष्ठित सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार जीता है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को विराट कोहली ने 2 बार जीता। लेकिन ये पहली बार हुआ है जब किसी भारतीय तेज गेंदबाज ने सर गारफील्ड सोबर्स पुर्सकार जीता हो।

रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर रणजी मैच में खेलते हुए नहीं आएंगे नजर, मुंबई ने नहीं किया शामिल

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई का रणजी ट्रॉफी 2024-25 में अगला मैच मेघालय से है। ये मुकाबला 30 जनवरी से मुंबई में खेला जाएगा। इसके लिए उसने टीम की घोषणा कर दी है। लेकिन मुंबई की टीम में रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल को जगह नहीं मिली है। ये तीनों ही खिलाड़ी मुंबई टीम से बाहर हैं, इसका एक अहम कारण अब सामने आया है।

दरअसल, टीम इंडिया जल्द ही चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की तैयारी शुरू करेगी। उसे इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। रोहित, यशस्वी और अय्यर को भारत की चैंपियंस ट्रॉफी में शामिल किया गया है। लिहाजा ये खिलाड़ी अब टूर्नामेंट की तैयारी शुरू करेंगे। इसी कारण से रणजी ट्रॉफी में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई ने इसी वजह से इन तीनों को टीम से बाहर रखा है।

बता दें कि, रोहित शर्मा और टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया दौरे पर निराशाजनक प्रदर्शन रहा था। यशस्वी जायसवाल भी कुछ खास नहीं कर पाए थे। ये खिलाड़ी मुंबई के लिए रणजी मैच में खेले, लेकिन रोहित और अय्यर का यहां भी बल्ला नहीं चला। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले ये सभी खिलाड़ी तैयारी शुरू करेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाएगी।

मेघालय के खिलाफ मुंबई टीम इस प्रकार है

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी, अमोघ भटकल, सिद्धेश लाड, आकाश आनंद, हार्दिक तमोरे, सूर्यांश शेडगे, शार्दुल ठाकुर, शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, मोहित अवस्थी, सिल्वेस्टर डिसूजा, रॉयस्टन डायस, श्रेयस गुरव, अथर्व अंकोलेकर।

वरुण-अभिषेक की टी20 रैंकिंग में लंबी छलांग, सूर्या और सैमसन को झेलना पड़ा नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार को आईसीसी ने प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद को आईसीसी टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में बादशाहत हासिल कर ली है। वह फिर से नंबर-1 बॉलर बन गए हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन को दूसरे पायदान पर खिसका दिया है। आदिल के खाते में फिलहाल 718 रेटिंग अंक हैं। अकील के 707 अंक हैं। आदिल मौजूदा इंडिया वर्सेस इंग्लैंड पांच मैचों की टी20 सीरीज में किफायती गेंदबाजी कर रहे हैं। अभी तक तीन मैचों में उन्होंने 56 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए हैं। उनका इकॉनमी रेट 5.60 है।

भारत के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने लंबी छलांग लगाई है। वह 25 पायदान ऊपर चढ़कर पांचवें पर पहुंच गए हैं। उनके 679 अंक हैं। वरुण इंग्लैंड के खिलाफ कातिलाना गेंदबाजी कर रहे हैं। उन्होंने तीन मैचों में सबसे ज्यादा 10 विकेट चटकाए हैं। वरुण ने मंगलवार को राजकोट में तीसरे मैच में पांच विकेट हॉल लिया बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण भारत को 26 रनों से हार का मुंह

देखना पड़ा। भारत सीरीज में 2-1 से आगे है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर 13 पायदान ऊपर आ गए हैं। वहीं अभिषेक शर्मा को भी लंबी छलांग लगाई है। वह 59 पायदान ऊपर 40वें स्थान पर चल गए हैं। वह 115 रन बटोर चुके हैं। इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन और बेन डकेट पर आगे बढ़े हैं। भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव और विकेटकीपर संजू सैमसन को नुकसान झेलना पड़ा है। सूर्या चौथे स्थान पर कायम हैं लेकिन उनके 25 अंक घट गए हैं। सैमसन 17वें से लुढ़कर 29वें पर पायदान पर चले गए। दोनों खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। सैमसन ने 34 और सूर्या ने 26 रन जोड़े हैं। चौथा टी20 मैच 31 जनवरी को होगा।

पाकिस्तानी खिलाड़ी अभिनेत्रियों को करते हैं मैसेज?

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट और ग्लैमर का बड़ा नाता है। जहां क्रिकेट होगा वहां ग्लैमर जरूर होगा। आए दिन किसी ना किसी क्रिकेटर से किसी ना किसी एक्ट्रेस का नाम जुड़ता रहता है। फिर वो हिन्दुस्तान हो या पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान।

क्रिकेटर और एक्ट्रेस के बीच अफेयर ने हमेशा सुर्खियां बटोरी हैं। जिसमें भारत और पाकिस्तान दोनों के क्रिकेटर और एक्ट्रेस शामिल हैं। वहीं इन दिनों सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के ऑलराउंडर शादाब खान का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में शादाब खान ने एक्ट्रेस को मैसेज करने पर मजेदार जवाब दिया है। बता दें कि, शादाब खान पाकिस्तानी सो हंसना मना है में शामिल हुए। जहां उन्होंने इस तरह का बयान दिया।

शो के होस्ट तबीश हाशमी ने शादाब खान से सवाल किया कि क्या सच में

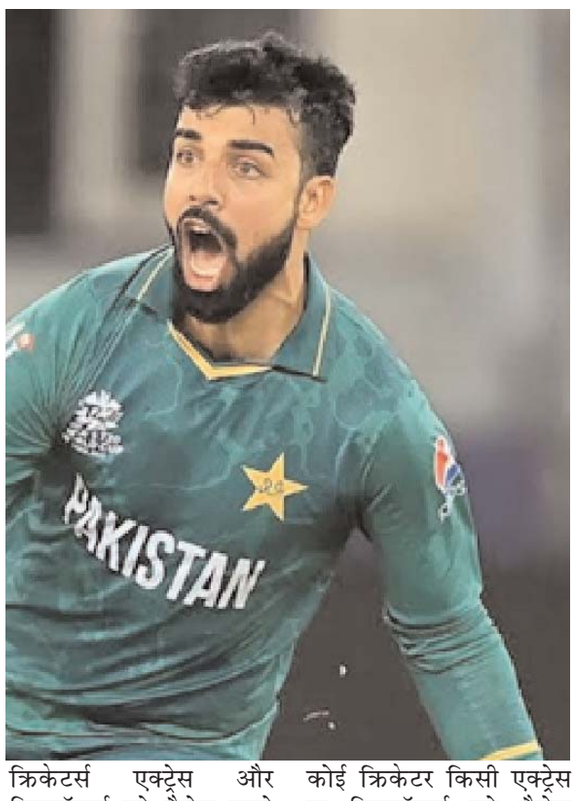

क्रिकेटर्स एक्ट्रेस और टिकटॉकर्स को मैसेज करते हैं? या फिर सारे अरोब बेबुनियाद हैं? इसके जवाब में शादाब खान ने कहा कि अगर कोई क्रिकेटर किसी एक्ट्रेस या टिकटॉकर्स को मैसेज करते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं है। लेकिन अगर एक्ट्रेस को मैसेज पसंद नहीं है तो इसका सीधा सा जवाब है कि वह रिप्लाई न करें। अगर एक्ट्रेस रिप्लाई नहीं करेगी तो फिर आगे मैसेज नहीं जाएगा। लेकिन अगर आप रिप्लाई करेंगी और फिर कहेंगी कि मुझे मैसेज आ रहे हैं तो ये फंडा काम करने वाला नहीं है।

शादाब खान ने आगे कहा कि, मैंने कई एक्ट्रेस के वीडियो दखें। इन वीडियो में दावा किया गया कि क्रिकेटर्स उन्हें मैसेज करते हैं, लेकिन इस तरह के दावों में हमेशा सच्चाई नहीं होती। इस तरह बयान सुर्खियां बटोरने के लिए होते हैं। खासकर तब जब कोई अहम क्रिकेट टूर्नामेंट सामने हो। इसके अलावा शादाब खान ने कहा कि एक्ट्रेस को मैसेज करने पर हमारी टीम के अंदर कोई लड़ाई नहीं है, लेकिन हां हर कोई एक दूसरे से पूछता है कि किसने किसको मैसेज किया? वहीं अब शादाब खान का ये बयान सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के लाभार्थियों के हितलाभ दो दिवस में वितरित करें

कलेक्टर ने टीएल की बैठक में दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड नें मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के दौरान ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र में आयोजित शिविरों में पात्र हितग्राहियों के स्वीकृत हितलाभ अगले दो दिवस के भीतर वितरण कराना सुनिश्चत करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कहा कि 50 दिवस से ऊपर और चालू माह की शिकायतों को अगले दो-तीन दिन में संतुष्टिकरण रूप से निराकरण करायें। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मैहर में सम्पन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम डॉ. आरती सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी टीपी सिंह, कार्यपालन यंत्री लोकनिर्माण बीआर सिंह, उप संचालक समाजिक न्याय सौरभ सिंह, एसडीओ फॉरेस्ट यशपाल मेहरा, सीईओ जनपद प्रतिपाल बागरी, ओपी अस्थाना, एमएल प्रजापति, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत आयोजित शिविरों और हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के स्वीकृत हितलाभ की समीक्षा की। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि मैहर जैसे छोटे जिले में 7706 शिकायतें लंबित रहना गंभीर बात है। इनमें से 4474 शिकायतें 50 दिवस से अधिक समय की लंबित है। सभी अधिकारी अपने विभाग की सीएम हेल्पलाइन को स्वतः देखें और समय पर निराकृत कराये। उन्होंने कहा कि कोई भी शिकायत नाट-अटेण्ड नहीं रहनी चाहिए। इसी प्रकार शिकायत के निराकरण में कोई भी भविष्यात्मक जबाब दर्ज नहीं कराये। नियमानुसार शिकायत में कोई कार्यवाही नहीं किये जाने की स्थिति में उचित कारण के प्रतिवेदन के साथ फॉर्सली क्लोज कराये। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कुल लंबित 7706 शिकायतों में राजस्व की 1226, खाद्य 955, ऊर्जा 257, उच्च शिक्षा 22, खनिज 19, नगरीय विकास 332, पंचायत एवं ग्रामीण विकास 533, स्वास्थ्य 237, पीएचई 619, फारेस्ट 12, वित्त 16, श्रम 210, आबकारी 24, स्कूल शिक्षा 65, सूचना प्रोद्योगिकी की 140 शिकायतें शामिल हैं। कलेक्टर ने कहा कि फॉर्स क्लोज केवल पुरानी शिकायतें ही की जा सकेगी। लंबित शिकायतों का निराकरण स्वयं जिला अधिकारी देखें तो 50 प्रतिशत शिकायतें आसानी से निराकृत हो सकेगी। मत्स्य पालन विभाग की एक और बैंकों की 4 सहित कुल 5 शिकायतें नाट-अटेण्ड मिलने पर कलेक्टर ने नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। जिला संयोजक आदिम जाति कमलेश्वर सिंह के विगत कई बैठकों में उपस्थित नहीं रहने पर कलेक्टर ने कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर नगर पंचायत अमरपाटन, रामनगर और नगर पालिका मैहर की सीएमओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश कलेक्टर ने दिये।

कलेक्टर ने कहा कि शासकीय विभागों को भूमि आवंटन के मामलों में चाही जाने वाली विभागीय अनापत्ति (एनओसी) समय पर भेजें। इसी प्रकार सीएम मानिट प्रभारी मंत्री, आयोग एवं शासन से प्राप्त पत्रों के जवाब समय-सीमा भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का निराकरण प्रतिवेदन भी शीघ्र भेजने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने कहा कि परिवार मरामर्श केन्द्र में 16 प्रकरण भेजे गए हैं। इन प्रकरणों में की गई कार्यवाही की जानकारी प्रस्तुत करें। सीएम हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा के रोस्टर के क्रम में बुधवार की शाम एलडीएम और गुरुवार को प्रातः 11 बजे पीएचई, ऊर्जा, जल निगम तथा शुक्रवार को जिला शिक्षा अधिकारी और सीएमओ मैहर लंबित पत्रों की जानकारी के साथ उपस्थित होंगे।

थाने पहुंचकर अधिवक्ता संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

चोरों के मामले में वकील भी सख्ती बरतें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में कोर्ट परिसर में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी सिविल लाइन थाने पहुंचे। जहां उन्होंने पुलिस पर ही आरोप लगा डालें। उधर पुलिस ने भी पूरे मामले में सफाई दी।

जानकारी के मुताबिक कोर्ट परिसर की पार्किंग से फिर एक अधिवक्ता की बाइक चोरी हो गई। इसके बाद अधिवक्ताओं ने आए दिन चोरी की घटना होने का आरोप लगाया। उधर पुलिस ने तत्काल मामले में एफआईआर दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया।

अधिवक्ता संघ उपाध्यक्ष तरुणेन्द्र सिंह ने बताया कि न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के चेंबर के नीचे बनाई गई पार्किंग में आए दिन चोरी की घटनाएं घट रही हैं। 23 तारीख को अधिवक्ता ओपी त्रिपाठी की गाड़ी चोरी हो गई थी। जो अब तक नहीं मिल पाई। अगर जल्द इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो हम उग्र आंदोलन भी करेंगे। फिलहाल आज हमने थाने का घेराव किया है।

पूरे मामले में सिविल लाइन थाना प्रभारी कमलेश साहू ने बताया कि अधिवक्ता संघ के लोग थाने में पहुंचे थे। बाइक चोरी के मामले में मामला पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया गया है। जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर लेंगे।

न्यायालय परिसर की पार्किंग में सीसीटीवी कैमरे लगाने का सुझाव भी दिया जाएगा। ताकि पुलिस को मदद मिल सके। कोई भी गरीब आदमी बड़ी मुश्किल से एक बाइक खरीद पाता है। पुलिस बड़ी मेहनत के बाद चोर को पकड़ती है। इसलिए ऐसे बदमाशों के मामले में पुलिस के साथ ही अधिवक्ताओं को भी कड़ाई बरतनी चाहिए।

संस्कृत विश्वविद्यालय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सशक्तिकरण का अभिन्न अंग : उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि संस्कृत विश्वविद्यालय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सशक्तिकरण का अभिन्न अंग है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति ही इस यात्रा की आधारशिला हैए जो स्थायी और स्थिर विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में संस्कृत विश्वविद्यालय रीवा के संचालन एवं विकास की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजनए प्रमुख सचिव वित्त मनीष रस्तोगीए आयुक्त उच्च शिक्षा निशांत वरवड़े सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने संस्कृत विश्वविद्यालय रीवा के समुचित संचालनए नवीन पाठ्यक्रमों के विस्तारए बजट आवंटनए अधोसंरचना विकास एवं शिक्षकों की नियुक्ति के लिए अंतर्विभागीय समन्वय सुनिश्चित कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने छात्रों को व्याकरणए साहित्यए वेद एवं ज्योतिष के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वित्त एवं उच्च शिक्षा विभाग आपसी समन्वय से शीघ्र ही आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करें ताकि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि पाणिनि संस्थान अंतर्गत रामानुज संस्कृत विश्वविद्यालय के लिए 40 करोड़ रुपये की योजना प्रस्तावित है। उन्होंने संस्कृत विश्वविद्यालय रीवा के पाठ्यक्रमों के संचालनए छात्रों के लिए आवास एवं भोजन की निरूशुल्क व्यवस्था और शिक्षकों की शीघ्र नियुक्ति के लिए बजट आवंटन व प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा कर निर्देश दिए। उप

मौनी अमावस्या पर चित्रकूट में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मंदाकिनी में लगाई डुबकी, कामतानाथ के दर्शन के लिए रात 3 बजे से पहुंचे लोग, 450 पुलिसकर्मी तैनात

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। चित्रकूट में मौनी अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। बुधवार को रात 3 बजे से ही मंदाकिनी घाट पर भक्तगण स्नान के लिए एकत्र होने लगे। श्रद्धालु मंदाकिनी में पवित्र स्नान के बाद कामतानाथ जी के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। कामदगिरि की परिक्रमा में भी भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।

450 पुलिसकर्मियों की तैनाती, एएसपी कुशवाह की निगरानी: प्रयागराज महाकुंभ में हुई भगदड़ की घटना के बाद वहां वाहनों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है, जिसके कारण चित्रकूट में दोपहर के बाद भी भीड़ और बढ़ने की संभावना है। प्रशासन ने सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए हैं। एएसपी ग्रामीण विक्रम सिंह कुशवाह के नेतृत्व में 450 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। आवश्यकता पड़ने पर रिजर्व बल भी बुलाए जा सकते हैं।

एसडीईआरएफ और होमगार्ड जवानों की तैनाती: भीड़ को नियंत्रित करने के लिए उत्तर प्रदेश की तरफ से आने वाले वाहनों को चित्रकूट से पहले ही हाईवे पर रोका जा रहा है। इस वजह से हाईवे पर वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लग गई हैं। मंदाकिनी नदी के घाटों की सुरक्षा के लिए एसडीईआरएफ और होमगार्ड के जवान तैनात हैं। गुप्त गोदावरी में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। नगर परिषद के कर्मचारी और पुलिस के जवान भीड़ को नियंत्रित करने में जुटे हुए हैं।

कार से 1140 सीसी कफ सिरप जब्त

एक नाबालिग सहित चार गिरफ्तार, ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में थे आरोपी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में पुलिस ने सघन वाहन चेकिंग अभियान के दौरान अर्टिगा कार से 1440 शीशी प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप बरामद की है। इस मामले में तीन युवकों और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया गया है।

एसपी विवेक सिंह ने बताया कि हिरासत में लिए गए युवक पहले छुटपुट आपराधिक घटनाओं में शामिल थे, लेकिन अधिक मुनाफा कमाने के चक्कर में उन्होंने नशीली दवाओं के कारोबार का रास्ता चुन लिया। ये आरोपी प्रतिबंधित कफ सिरप की खेप को रीवा के अलग-अलग क्षेत्रों में बेचने की योजना बना रहे थे।

चार आरोपी गिरफ्तार: पुलिस ने कमल नयन सिंह उर्फ नमन ठाकुर (19), राहुल पटेल (24), विकास सिंह (18) और एक नाबालिग को पकड़ा है। इसमें दो आरोपी मऊगंज के है, फिलहाल सभी रतहरा टोल प्लाजा के पास किराए के मकान में रह रहे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है। गिरोह के अन्य सदस्यों और नशे के नेटवर्क से जुड़े लोगों की तलाश की जा रही है।

किसानों की समृद्धि के लिये बढ़ाई जा रही है कृषि उत्पादकता

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों की समृद्धि और खुशहाली राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। प्रदेश में संकल्पबद्ध होकर कार्य किया जा रहा है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा किसानों को समृद्ध बनाने के लिये कृषि उत्पादकता को बढ़ावा दिया जा रहा है। किसानों को सस्ते दाम पर बीज, फर्टिलाइजर एवं मशीनरी उपलब्ध करवाई जा रही है। विभाग द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, राष्ट्रीय तिलहन मिशन, बीज ग्राम, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और एसएमएएम योजना के माध्यम से उन्नत किस्मों का बीज एवं कृषि उपकरण अनुदानित दरों पर किसानों को प्रदान किये जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत फसलों के नुकसान का समय पर आंकलन कर राहत राशि वितरित की जाती है। प्रदेश के ग्रामीण युवाओं, फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन और स्व-सहायता समूह के माध्यम से अनुदान सहायता के आधार पर स्थापित कस्टम हायरिंग केन्द्रों से किसानों को किराये पर सस्ते दाम में कृषि उपकरण उपलब्ध कराये जा रहे हैं। कृषि विभाग में प्रचलित कृषि यंत्रीकरण प्रोत्साहन योजना में प्रतिवर्ष 50 करोड़ रूपये का बजट प्रावधान कर एक हजार कस्टम हायरिंग केन्द्र स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित है। प्रदेश में कृषक उत्पादक संगठनों का गठन करके प्रत्येक एफपीओ को 18 लाख रूपये तक की वित्तीय सहायता एवं 5 करोड़ रूपये तक की क्रेडिट गारंटी सुविधा दी जा रही है। श्रीअन्न की फसल बोने पर लघु एवं सीमांत किसानों के लिये प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में देय प्रीमियम में सब्सिडी प्रदान की जा रही है। राज्य मिलेट मिशन के अंतर्गत कोदो, कुटकी, ज्वार, बाजरा एवं रागी के उत्पादन को बढ़ाया जा रहा है। प्रमाणित बीज वितरण, कृषक अध्ययन, भ्रमण, सेमिनार, वर्कशॉप, मिलेट मेला, प्रचार-प्रसार के लिये सभी जिलों में निर्देश जारी किए गए हैं। फूड फेस्टिवल, ब्रांडिंग गैलेरी के लिये मध्यप्रदेश टूरिज्म विकास निगम के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में 12.60 लाख मीट्रिक टन श्री अन्न (कोदो, कुटकी, रागी, बाजरा आदि) के उत्पादन का लक्ष्य है।

चिकित्सा शिक्षकों की भर्ती का वार्षिक कैलेंडर शीघ्र करें जारी : उप मुख्यमंत्री

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रीवा/सतना (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की वृहद समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने चिकित्सा शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि चिकित्सा शिक्षकों के प्रमोशन के लिये आवश्यक कार्यवाही की जाये और भर्ती का वार्षिक कैलेंडर जारी किया जाए। उन्होंने मेडिकल कॉलेजों की कार्यकारी परिषद (एग्जीक्यूटिव काउंसिल) की नियमित बैठकें सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उल्लेखित समस्याओं और आवश्यकताओं की प्राथमिकता से पूर्ति की जाये।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विशेषज्ञ डॉक्टरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सेवा शर्तों और वित्तीय प्रावधानों पर गहन विमर्श किया। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, आयुक्त स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तरुण राठी, एमडी एमपीपीएचएससीएल मयंक अग्रवाल, संचालक प्रोजेक्ट एवं सीईओ आयुष्मान भारत डॉ. योगेश भरसट सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मद्य निषेध संकल्प दिवस का आयोजन आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा/सतना (निप्र)। जिले में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर 30 जनवरी को मद्य निषेध संकल्प दिवस का आयोजन किया जायेगा।

समाज में बढ़ते हुए मद्यपान तथा नशीली दवा, मादक पदार्थ/द्रव्यों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों से युवाओं, विद्यार्थियों एवं समाज को अवगत कराने, नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया जायेगा। नशा प्रवृत्ति की रोकथाम हेतु जनजागृति एवं जन चेतना का निर्माण किया जाना इसका मुख्य उद्देश्य है।

कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक सतना, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सतना, आयुक्त नगर पालिका निगम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं महिला बाल विकास, जिला शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य/नोडल अधिकारी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना, जेल अधीक्षक केन्द्रीय जेल, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद, समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा अशासकीय संस्थाओं को कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित करने और प्रतिवेदन फोटो ग्राफ्स के साथ कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये है। साथ नशामुक्ति भारत अभियान एनएमबीए पोर्टल पर अपलोड कराने के निर्देश दिये है।

स्वरोजगार की योजनाओं में 15 तक वार्षिक लक्ष्यों को पूरा करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने स्वरोजगार की योजनाओं का वार्षिक लक्ष्य 15 फरवरी तक पूरा कर लेने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने शासन के विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं से जुड़े विभागों की समीक्षा बैठक लेकर अब तक की प्रगति की समीक्षा की। इस मौके पर पशुपालन, जिला उद्योग केंद्र, उद्यानिकी, आरसेटी, आजीविका मिशन आदि विभागों की स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा की। अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम डॉ. आरती सिंह, आजीविका मिशन की जिला प्रबंधक अंजुला झा भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि सभी स्वरोजगार योजनाओं में बैंकों में पर्याप्त संख्या में प्रकरण प्रस्तुत करें और बैंकर्स के समन्वय से प्रकरणों की स्वीकृति और वितरण कराये। योजनाओं के वार्षिक लक्ष्यों को 15 फरवरी तक प्राप्त करने का प्रयास करें। कलेक्टर ने एलडीएम को निर्देशित किया कि पशुपालकों के केसीसी जारी करने के कार्य में प्रगति लाये। बताया गया कि पशुपालन किसान क्रेडिट कार्ड के लक्ष्य 1800 के विरूद्ध अब तक 1624 प्रकरण प्रेषित किये गये हैं। जिनमें बैंकों द्वारा 1385 प्रकरण स्वीकृत किये गये हैं। जो 77 प्रतिशत उपलब्धि है। आचार्य विद्या सागर योजना में 4 के लक्ष्य के विरूद्ध 7 प्रकरण स्वीकृत किये गये हैं। इसी तरह बकरी पालन इकाई में 3 के लक्ष्य के विरूद्ध 13 प्रकरण स्वीकृत किये हैं। धरती आबा अभियान में रामनगर के 8, अमरपाटन के 18 और मैहर के 32 हितग्राहियों के प्रकरण बकरी पालन यूनिट के तैयार किये गये हैं।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में वार्षिक लक्ष्य 50 यूनिट के विरूद्ध 46 प्रकरण बैंकों को प्रेषित किये गये हैं। जिनमें 26 प्रकरण स्वीकृत और 20 प्रकरण वितरित हैं। कलेक्टर ने योजना में 30 प्रकरण और बैंकों में लगाने के निर्देश दिये। उद्यानिकी विभाग की समीक्षा में बताया कि वर्ष 2021 से अब तक मैहर जिले में पीएमएफएमई योजना में 29 इकाईयां स्थापित की गई है। जिनमें 20 मैहर, 7 रामनगर और 2 अमरपाटन की है। इस वर्ष 38 प्रकरणों में 11 प्रकरण स्वीकृत किये गये हैं।

आजीविका मिशन के तहत महिला स्व-सहायता समूहों के लिए जिले में 5446 समूह गठित किये गये हैं। इनमें 3875 समूह बैंकों से लिंकेज है। मैहर जिले में 2500 दीदी लखपति दीदी बन गई हैं। कलेक्टर ने कहा कि स्वरोजगार की योजनाओं में संबंधित अधिकारी बैंकों से समन्वय कर प्रकरण स्वीकृत करायें। बैंकों में कोई भी स्वरोजगार के प्रकरण अनावश्यक रूप से पेंडिंग नहीं रखे जाये। बैठक में जिला संयोजक आदिम जाति, प्राचार्य आईटीआई की अनुपस्थिति पर कलेक्टर ने कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने कुंभ तीर्थ यात्रियों की समुचित व्यवस्था के लिए रीवा प्रशासन की प्रशंसा की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉण् मोहन यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट में कुंभ यात्रियों की समुचित व्यवस्था के लिए रीवा प्रशासन के अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में अत्यधिक भीड़ होने के कारण रीवा जिले में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के वाहन मध्यप्रदेश की सीमा पर रूके रहे।

हमारे प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों ने मौके पर मौजूद रहकर सभी श्रद्धालुओं के खाने एवं पानी से लेकर ठहरने तक की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराई। मध्यप्रदेश.उत्तरप्रदेश की सीमा पर रीवा प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए पुख्ता इंतजाम किये गये। श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों की भी डॉक्टरों की टीम ने मौके पर मौजूद रहकर पूर्ति की।

उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों कमिश्नर बीएस जामोदए प्रभारी आईजी साकेत प्रकाश पाण्डेयए कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पालए पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह के निर्देशन में श्रद्धालुओं के लिए समुचित व्यवस्थाओं की प्रशंसा की।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।